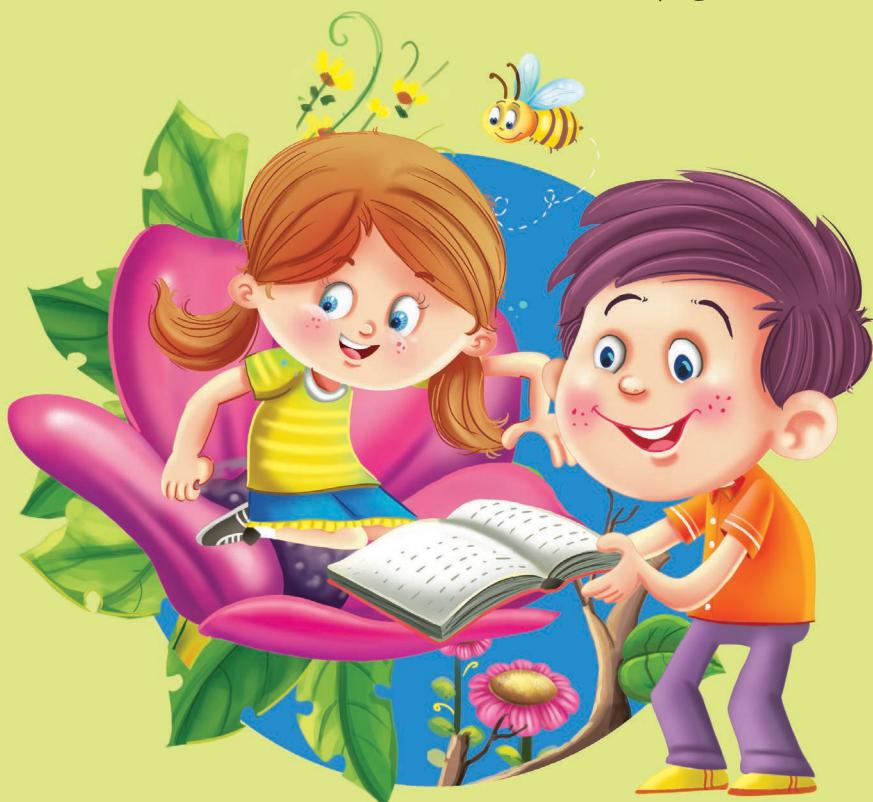




कुबुदिनी

(राष्ट्रभाषा हिंदी की पाठमाला)

उत्तर-पुस्तिका
भाग 1 से 5



कुमुदिनी हिन्दी-1

पाठ-1 : आओ वर्णमाला दोहराएँ

अभ्यास कार्य

1. अ, ऊ, ए, ई, उ, आ, इ, ऐ, व, औ
2. स्वयं करें

पाठ-2 : 'अ' की मात्रा

अभ्यास कार्य

1. तारा, जाला, ताला, भाला
2. छाता, काला, नाला, काल, बाल, दाना
3. स्वयं करें

पाठ-3 : 'इ' की मात्रा (i)

अभ्यास कार्य

1. किताब, गिलास, डाकिया, किसान, पहिया, नारियल, तकिया, चिमटा
2. स्वयं करें
3. स्वयं करें

'ई' की मात्रा (ī)

अभ्यास कार्य

1. स्वयं करें
2. पपीता, मछली, कमीज, चाबी
3. र + आ + न् + ई, क + अ + ब + ई + र् + अ, ह + आ + थ् + ई
म + अ् + छ + अ + ल + ई
4. स्वयं करें
5. स्वयं करें
6. स्वयं करें

पाठ-4 : 'उ' की मात्रा (ु)

अभ्यास कार्य

1. जुराब, कबूतर, कुत्ता, साबुन, चुहिया, मुकुट, कुल्हाड़ी, बटुआ
2. कछुआ, बगुला, गुड़िया, गुलाब, पुलाव

‘ऊ’ की मात्रा (९)

अभ्यास कार्य

1. स्वयं करें
2. आलू, चाकू, जूता, चूहा
3. स्वयं करें

पाठ-5 : ‘ऐ’ की मात्रा (४)

अभ्यास कार्य

1. पेड़, शेर, सेब, केला
2. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) असत्य
3. सेब, केला, रेल, पैसा, बैल, भैया
4. स्वयं करें

पाठ-6 : ‘औ’ की मात्रा (५)

अभ्यास कार्य

1. गोभी, खरगोश, तोता, मोर, समोसा, कोयल

पाठ-7 : चंद्रबिंदु (६)

अभ्यास कार्य

1. स्वयं करें
2. मंदिर, घंटा, चाँद, आँख, बंदर, बाँसुरी, संतरा, दाँत/मुँह, गाँधी
3. अंगुली, अंकुर, अंजीर

पाठ-10 : संयुक्त वर्ण तथा आधे अक्षर

अभ्यास कार्य

1. बच्चा, लड्डू, मच्छर, प्याज, गुच्छा
2. पर्वत, फर्क, तर्क, सूर्य, दर्पण, पूर्व, पर्व, पूर्ण, निर्धन
3. ब्रश, ग्राम, भ्रमण, अग्रज, चक्र, ट्रम, राष्ट्र, चक्र, प्रथम
4. क्षत्रिय, क्षमा, शिक्षक, क्षण
त्रिशूल, त्रिदेव, त्रिवेणी, त्रिमूर्ति
ज्ञानी, विज्ञान, संज्ञा, ज्ञानवान

पाठ-11 : नीम और कौआ

अभ्यास कार्य

- (क) दातून (ख) स्वयं करें (ग) स्वयं करें (घ) पीपल पर

लिखने के लिए

1. दाँत कहाँ है तेरे, बोली नीम की डाली। वहाँ एक पीपल, पे मेरी नानी रहती है। लाठी लेके उन्हें धूमने जाना है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख)

शब्दों का खेल

- (क) नाना (ख) मम्मी (ग) दादी (घ) चाची (ड) आंटी (च) मामी

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें
- स्वयं करें

पाठ-12 : बड़बोला ऊँट

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) गलत व्यवहार
- (ख) हाथी को काटून बताया।
- (ग) स्वयं करें
- (घ) हमें कभी दूसरों की निंदा नहीं करनी चाहिए।

लिखने के लिए

1. (क) शक्ल-सूरत
(ख) टेढ़े-मेढ़े
(ग) लोमड़ी
(घ) को पत्थर
2. (क) दूसरों की निंदा करने की उसकी बुरी आदत थी।
(ख) एक बार ऊँट की मुलाकात एक लोमड़ी से हो गई।
(ग) वह बड़ी ही मुँहफट थी।
(घ) लोमड़ी की खरी-खरी बातें सुनकर ऊँट का सिर शर्म से झुक गया। वह चुपचाप वहाँ से खिसक गया।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) साबुन (ख) लुटिया (ग) जामुन (घ) शहतूत (ड) कबूतर (च) तरबूज
1. स्वयं करें
3. (क) स्तुति (ख) बदसूरत (ग) अच्छी (घ) छोटे (ड) कभी-कभी (च) सीधा

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें

पाठ-13 : धमाचौकड़ी चंदा के संग

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. (क) देवदूत
(ख) स्वयं करें
(ग) सग जगह उड़ सकते हैं।
(घ) नीरु और वीरु चाँद के दोस्त बन गए।

लिखने के लिए

2. (क) चाँद (ख) दो (ग) नीरु, वीरु (घ) हरे
3. (क) आसमान में चाँद था।
(ख) नन्हें मुने बच्चे आसमान में सब जगह उड़ सकते हैं।
(ग) वीरु और नीरु
(घ) चाँद पर रहते थे।
(ड) चाँद जब हँसता था तो लाल हो जाता था। नीरु और वीरु चाँद के दोस्त थे।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (ग) 3. (क) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) सूरज (ख) चाची (ग) मुन्नी (घ) पिता (ड) लड़का (च) दादी
2. (क) धरती (ख) बड़े (ग) गम (घ) नापसंद
3. (क) आसमान (ख) देवदूत (ग) बैंगनी (घ) धमाचौकड़ी
4. (क) आसमान (ख) भगवान् (ग) चंद्रमा (घ) मस्ती

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें

पाठ-14 : नन्ही मछली

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) नन्ही मछली थी।
- (ख) कीनू, वेलू से आगे चलने के लिए कहता है।
- (ग) ऑक्टोपस से
- (घ) डीनू से

लिखने के लिए

1. (क) फिस (ख) कीनू (ग) शार्क (घ) ऑक्टोपस
2. (क) ऑक्टोपस बाबा मिलते हैं।
(ख) डीनू मछली दोनों को बचाती है।
(ग) हमें अपने बड़ों का कहना मानना चाहिए। वे हमेशा हमारा भला सोचते हैं।
(घ) वेलू के दादा जी सोने जा रहे हैं।
3. (क) दादी जी ने, वेलू से (ख) कीनू ने, वेलू से (ग) कीनू ने, डूनी से

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) जाना (ख) ज्यादा (ग) पास (घ) पीछे
 2. (क) ओह (ख) दोस्त (ग) सोना (घ) आओ
- आइए कुछ बनाएँ
- स्वयं करें

पाठ-15 : चिड़िया की होली

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) यह कहानी होली पर आधारित है।
- (ख) टेसू के पेड़ से जाकर चिड़िया ने अपनी बात कहीं।
- (ग) टेसू के फूलों को पानी में भिगोकर रंग बनाया।
- (घ) चिड़िया खुश होकर गा रही थी।

लिखने के लिए

1. (क) होली (ख) टेसू (ग) पानी (घ) थोड़ा
 2. स्वयं करें
- कुमुदिनी हिन्दी-1 से 5

3. स्वयं करे

4. (क) एक दिन एक चिड़िया के मन में ख्याल आया कि सारे लोग होली पर एक-दूसरे को रंग लगाते हैं तो इस बार वह भी होली मनाएगी।
(ख) अपना ही ख्याल चिड़िया को जम गया कि वह वैसे रंग से होली नहीं खेलेगी जिससे सब खेलते हैं। वह अपना रंग अलग बनाएगी।
(ग) पर चिड़िया के सामने मुश्किल यह थी कि वह रंग कहाँ से लाएगी।
(घ) अब चिड़िया की रंग की दिक्कत भी दूर हो गई। उसने टेसू के फूलों को थोड़े से पानी में भिगोकर रंग बनाया।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (क)

शब्दों का खेल

- स्वयं करें

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें

पाठ-16 : उदास भोला

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) भालू
- (ख) रेल के डिब्बे में लाद दिया जाता था।
- (ग) घर की याद आने पर भोला रोता था।
- (घ) डंडे के इशारे पर नाचना पड़ता था।

लिखने के लिए

1. (क) भालू (ख) सरकस (ग) रेल के डिब्बे (घ) इंजन
2. (क) भालू भोला सरकस में काम करता था।
(ख) उसका कोई दोस्त नहीं था। इसलिए भोला उदास रहता था।
(ग) सारे जानवर उसके बारे में जानते थे। वे उसे समझाते— देखो, भोला उदास मत रहा करो। पिछली बातों को भूल जाओ। खाओ पियो और मौज मनाओ।
(घ) भोला को मोटर साइकिल चलाने में बड़ा मजा आता था।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (ग) 3. (क) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) वाद (ख) सजा (ग) आओ (घ) सर (ड) जियो (च) शूल

2. (क) भोला सरकस में काम करता था।
 (ख) इंजन सीटी मारता था।
 (ग) वह गुमसुम पड़ जाता था।
 (घ) उसे मोटर साइकिल चलाना अच्छा लगता था।
 (ड) जानवर उसे देखकर तालियाँ बजाते थे।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें

पाठ-17 : गाओ-गुनगुनाओ

अध्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) चाँदनी
 (ख) तारे भोले-भाले और
 (ग) सबके मन को
 (घ) भोला, प्यारा और सुंदर
 (ड) चाँदा मामा

लिखने के लिए

1. झिलमिल तारे निकले हैं, कितने भोले-भाले हैं। आओ चंदामामा आओ, रोज कहानी हमें सुनाओं
2. (क) चंदामामा
 (ख) चंदामामा
 (ग) झिलमिल तारे निकले हैं;
 (घ) आँखमिचौली
 (ड) सुंदर और प्यारा

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख)

शब्दों का खेल

1. स्वयं करें
2. (क) जाते (ख) खिलाते (ग) न्यारा (घ) खेलेंगे
3. (क) चंदामामा आता है।
 (ख) तारे कितने भोले-भाले हैं।
 (ग) चंदामामा कितना सुंदर है।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें

क्रमुदिनी हिन्दी-1 से 5

पाठ-18 : पीला गुब्बारा

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) गुब्बारे वाला था।
- (ख) रंग-बिरंगे गुब्बारे
- (ग) गली में खेलना फैनी को अच्छा लगता था।
- (घ) गली में

लिखने के लिए

1. (क) गुब्बारे (ख) कई (ग) गुब्बारा (घ) माँ (ड) भीड़
2. (क) गुब्बारे वाले के पास कई गुब्बारे थे।
(ख) उसने गुब्बारे का नाम 'पीलू' रख दिया।
(ग) फैनी ने गुब्बारे के धागे को उँगली से बाँध दिया।
(घ) फैनी गुब्बारे को ठीक से बाँध नहीं पायी। धागा खुल गया और गुब्बारा आसमान में उड़ गया।
(ड) फैनी उसको पकड़ने के लिए दौड़ी पर वह ऊपर जा चुका था। फैनी धागा नहीं पकड़ पायी। उसकी आँखों में आँसू आ गए। वह रोने लगी।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (ख) 3. (ग) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. स्वयं करें

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें

पाठ-19 : एकता का बल

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) बलवान और मेहनती
- (ख) स्वयं करें
- (ग) एक साथ
- (घ) हाँ

लिखने के लिए

1. (क) बलवान, मेहनती (ख) लड़ते-झगड़ते (ग) लकड़ी का गट्ठर (घ) मजबूत
2. (क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य

3. (क) उसके पाँच बेटे थे।

(ख) वे हमेशा आपस में लड़ते-झगड़ते रहते हैं।

(ग) किसान को हमेशा यहीं चिंता सताती रहती कि वह अपने बेटों में एकता कैसे कायम करे!

(घ) किसान के पाँचों बेटे बारी-बारी से आगे आए। उन्होंने खूब ताकत लगाई। पर उनमें से कोई भी लकड़ियों का गट्ठर तोड़ नहीं सका।

(ङ) हाँ, एक लकड़ी आसानी से टूट जाती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (ख)

शब्दों का खेल

1. स्वयं करें

2. बेटे, झगड़े, लड़के, किसानों, लकड़ियाँ, लकड़ियाँ

3. बलवान, लड़ाई, किसान, लकड़ियों, कमज़ोर, लड़के

आइए कुछ बनाएँ

• स्वयं करें

कुमुदिनी हिन्दी-2

पाठ-1 : प्रार्थना

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. (क) मूढ़ और अनजान
- (ख) सच का
- (ग) अटूट
- (घ) हाँ

लिखने के लिए

1. (क) छात्र ईश्वर से तीन गुणों का वरदान माँग रहे हैं।
(ख) छात्र परहित की कामना करना चाहते हैं।
(ग) छात्र सच्चाई का मार्ग नहीं छोड़ना चाहते हैं।
(घ) छात्र साहस का कूट बनना चाहते हैं।
2. ठीक बात ही सदा कहे हम कभी न अपनाएँ हम झूठ। सच का साथ कभी ना छोड़े चाहे सब जग जाए रुठ।।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क)
2. (ख)
3. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) ज्ञानी (ख) झूठ (ग) दोष (घ) घृणा
2. (क) अनजान (ख) अमर (ग) निधि (घ) सच्चा

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-2 : जैसे को तैसा

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) गीदड़ और भैंस
- (ख) स्वयं करें।
- (ग) तरबूज और खरबूजे
- (घ) गीदड़ का

लिखने के लिए

1. (क) गीदड़ और भैंस जंगल में रहते थे।
 (ख) एक दिन दोनों ने विचार किया कि आज कहीं चलकर किसी खेत में तरबूज और खरबूजे खाते हैं।
 (ग) गीदड़ ने भैंस की पीठ पर बैठकर नदी पार की।
 (घ) खेत के मालिक ने।
2. (क) मित्रता (ख) तरबूज, खरबूजे (ग) खेत (घ) भैंस
3. (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✗) (घ) (✓)

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (ख)

शब्दों का खेल

1. (क) वन (ख) दोस्त (ग) जल (घ) सरिता (ड) पुष्प (च) गृह
2. (क) कल (ख) शत्रुता (ग) रात (घ) गलत (ड) देर (च) तेरा

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-3 : संगत का असर

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) दो
- (ख) हाथी
- (ग) अपने पलंग के पास।
- (घ) स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) उसने एक तोते की कीमत पाँच सौ रुपये औद दूसरे की कीमत पाँच पैसे रखी।
 (ख) “अगर कोई पाँच पैसे वाला तोता लेना चाहे तो ले जाए, लेकिन कोई पाँच सौ रुपये वाला तोता लेना चाहेगा तो उसे दूसरा तोता भी लेना पड़ेगा।”
 (ग) उन्होंने अपने नौकर से कहा, “इस दुष्ट तोते को मार डालो।”
 (घ) उसने राजा से प्रार्थना की, “इसे मत मारिए। यह मेरा सगा भाई है।
 2. (क) राजा ने तोते वाले से (ख) तोते वाले ने राजा से (ग) तोतें ने राजा से
 3. पहला तोता राम-राम दूसरा तोता
 सीता-राम और बहुत गंदी
- कुमुदिनी हिन्दी-1 से 5

खूबसुंदर भजन और गंदी गालियाँ
अच्छे श्लोक सुनता था। बोलता था।

2. (क) एक बार बाजार में एक तोते बेचने वाला आया।
(ख) राजा ने तोते ले लिए।
(ग) राजा ने तोते को मारा नहीं बल्कि उस संत के पास भेज दिया।
3. (क) मुश्किल (ख) नुकसान (ग) कूड़ेदान (घ) सन्धियाँ

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (ग) 3. (ग) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) में (ख) मैं (ग) में (घ) मैं, में (ड) में
2. स्वयं करें।
3. (क) बाजार (ख) कीमत (ग) तोता

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-4 : सयानी तितली रानी

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) प्यारी और सयानी
(ख) गुनगुन-गुनगुन
(ग) तितली
(घ) हाँ

लिखने के लिए

1. (क) फूलो पर
(ख) रंग-बिरंगे
(ग) कली-कली पर
(घ) मीठा-मीठा रस
2. रंग-बिरंगे पंख सजीले लाल, गुलाबी, नीले पीले। कली-कली पर मँडराती हो मीठा-मीठा रस पीकर उठ जाती है।
1. (क) रंग-बिरंगे।
(ख) कली-कली।
(ग) कोमल।
(घ) बगिया में।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (क) 3. (ख)

शब्दों का खेल

1. (क) लड़कियाँ (ख) मक्खियाँ (ग) तितलियाँ (घ) कलियाँ (ड) बिल्लियाँ
(च) मछलियाँ
2. (क) सयानी (ख) पीले (ग) हर्षती (घ) सिखाती

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

पाठ-5 : बोलती गुफा

अध्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) भूखा।
- (ख) चालाक और सयाना।
- (ग) आओ, आओ मेरे दोस्त, तुम्हारा स्वागत है।
- (घ) स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) गीदड़
- (ख) मैं उस झाड़ी में छिप जाऊँ। ज्यों ही वह निकलेगा, मैं उसे दबोच लूँगा।
- (ग) तब शेर ने सोचा कि लगता है वह जानवर इस वक्त गुफा में न होकर कहीं बाहर गया है। इसलिए उसे गुफा के अंदर जाकर उसका इंतजार करना चाहिए। जैसे ही वह गुफा के अंदर आएगा, वह उसे खा जाएगा।
- (घ) स्वयं करें।
- (ड) शेर की आवाज सुनकर गीदड़ वहाँ से भाग गया।
2. (क) जानवर (ख) चालाक, सयाना (ग) गुफा (घ) स्वागत (ड) गुफा
3. (क) सत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ड) असत्य

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (क) 3. (ख) 4. (क) 5. (ग)

शब्दों का खेल

1. (क) शिकारी (ख) किसान (ग) अध्यापक (घ) स्कूल
2. स्वयं करें।
3. (क) घटना (ख) बुरा (ग) अंदर (घ) दयालु (ड) मुख्य

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-6 : नटखट चूहा अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) पेसिल।
- (ख) दर्द।
- (ग) बिल्ली के चित्र से।
- (घ) अपने बिल में।

लिखने के लिए

1. (क) चूहा पेसिल लेकर बिल में चला गया।
(ख) चूहे ने पेसिल को कुतरने की बात कही।
(ग) पेसिल ने बड़े गोले के अंदर तीन गोले बनाए।
(घ) चूहे को सबसे पहला चित्र पनीर के टुकडे की तरह लगा।
(ड) पेसिल ने आखिरी चित्र क्या बनाया लंबी-लंबी मूँछे और मुँह।
2. (क) पेसिल, चूहे (ख) चूहे, पेसिल (ग) चूहे, पेसिल (घ)पेसिल, चूहे
3. (क) खाना ढूँढ़ते-ढूँढ़ते चूहे को एक पेसिल मिली।
(ख) चूहे ने पेसिल को कुतरना शुरू कर दिया।
(ग) पेसिल को दर्द हो रहा था इसलिए उसने चूहे से एक आखिरी चित्र बनाने के लिए पूछा।
(घ) पेसिल ने सबसे पहले एक गोला बनाया।
(ड) बिल्ले का चित्र देखकर चूहा अपने बिल में घुस गया।
4. स्वयं करें।
5. (क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) असत्य (ड) सत्य

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. माँ- माता जग- संसार दीप- दीया नमन- प्रणाम नेत्र- आँख गुरु- अध्यापक
2. अच्छी- बुरी पेसिल- रबड़ अंदर- बाहर ऊपर- नीचे असली- नकली
3. स्वयं करें

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-7 : अगर तुम मुझे खाओगे अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) छोटा-मोटा और गोल-मटोल
(ख) बकरे का।
(ग) खाऊँ।
(घ) साँप, मेडक, हाथी, चींटा।

लिखने के लिए

1. (क) खाऊँ बकरा था। खाऊँ ने छोटे-मोटे, गोल-मटोल आलू को पकड़ लिया।
(ख) आलू चिल्लाया—“रुको। अगर तुम मुझे खाओगे, तो खुद आलू बन जाओगे।”
(ग) साँप, मेडक, हाथी, चीटा।
(घ) खाऊँ बोला। इतना सब देखकर तो खाऊँ बहुत ही डर गया था। उसने सोचा—‘अगर मैं और रुका तो मैं शायद आलू ही बन जाऊँगा।’
(ङ) स्वयं करें।

2. (क) छोटा-मोटा और गोल-मटोल।
(ख) लुढ़कता-फुढ़कता, गुढ़कता।
(ग) आकाश में मेडक फुदक रहा था।
(घ) खाऊँ बकरे का नाक अंग आलू बन गया।

3. हाय राम रे, अरे, अरे! ये अरे बाप रे!
ये मुझे क्या हुआ साँप को क्या मेडक कैसे
हो गया फुदक रहा है

4. (क) आम, सेब (ख) आलू, टमाटर (ग) मछली, घोंघा (घ) केचुआ, साँप

बहविकल्पीय प्रश्न

1. (କ) 2. (ଖ) 3. (ଖ) 4. (କ)

शब्दों का खेल

- स्वयं करें।
 - (क) सुबह (ख) हर्ष (ग) मित्र (घ) निराला (ड) नमन (च) सुंदर
 - काला, जाला, माला, ताला, शाला

आइए कृष्ण बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-८ : निराले पेड

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) निराला।

- (ख) माली ने
- (ग) बच्चे।
- (घ) चल भग चल।

लिखने के लिए

1. (क) आमों से ये लदा हुआ है, तुम भी आ के खाओ लाला।
 (ख) देखो बाग में कैसी हलचल, खेल रहे हैं बच्चे चंचल।
 (ग) तोड़-तोड़ के खाते फल, माली कहता चल भग चल।
2. (क) स्वयं करें

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (ख) 3. (क)

शब्दों का खेल

1. वाला, पाला, लाला, चंचल, फल, चल
2. (क) वृक्ष (ख) पुष्प (ग) प्रेम (घ) उपवन (ड) शिशु (च) क्रीड़ा

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

पाठ-9 : तेनाली रामा

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) नीलकेतु।
- (ख) घोड़े पर।
- (ग) नीलकेतु।

लिखने के लिए

1. (क) राजदरबार में नीलकेतु नाम का यात्री राजा कृष्णदेव राय से मिलने आया।
 (ख) वह राजा के सामने आया और बोला—“महाराज, मैं नीलदेश का नीलकेतु हूँ और इस समय मैं विश्व-भ्रमण पर निकला हूँ। सभी जगहों का भ्रमण करने के पश्चात् आपके दरबार में पहुँचा हूँ।”
 (ग) नीलकेतु की बात मानकर राजा रात्रि में घोड़े पर बैठकर तालाब की ओर निकल गए।
 (घ) तेनालीराम ने राजा को बताया—“यह नीलकेतु एक रक्षा मंत्री है और महाराज,, किले के अंदर कुछ भी नहीं है। यह नीलकेतु तो आपको जान से मारने की तैयारी कर रहा था।”
2. (क), (ख) स्वयं करें
3. (क) अनुमति (ख) दुबला-पतला (ग) रक्षा (घ) समझदारी

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (क) 3. (ग)

शब्दों का खेल

1. स्वयं करें।
2. (क) पेड़ो (ख) चूहे (ग) लकड़ियाँ (घ) मित्रों
3. (क) बाप (ख) कोयल (ग) बहन (घ) हथनी

आइए कुछ बनाएं

- स्वयं करे।

पाठ-10 : ब्राह्मण का सपना

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) पात्र भरकर आटा।
- (ख) देश में अकाल पड़ गया है।
- (ग) आटे से

लिखने के लिए

1. (क) वह भिक्षा माँगकर अपना गुजारा करता था।
(ख) उसने भिक्षा— पात्र में रखा हुआ आटा बहुत अधिक दाम लेकर बेच दिया है। फिर उसने देखा कि उस पैसे से उसने एक जोड़ी बकरियाँ खरीदीं।
(ग) अपने पास की दीवार पर ही भिक्षा-पात्र को रख दिया।
2. (क) गुजारा (ख) अकाल (ग) दो (घ) पैर, नहा
3. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) असत्य

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (क) 3. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) दुख (ख) गरीब (ग) खट्टा (घ) बुरा (ड) कुरुप (च) बेचना
2. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएं

- स्वयं करे।

पाठ-11 : नदीपुर की कहानी

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) नदीपुर।

क्रमुदिनी हिन्दी-1 से 5

(ख) पानी में।

(ग) पेड़ बचाओ और पानी को दूषित न करें।

लिखने के लिए

1. (क) हमें गंदा पानी नहीं चाहिए, मैं इस नदी को छोड़कर जा रही हूँ।

(ख) इस गंदे पानी को कैसे पी सकते हैं? हम इस नगर को छोड़कर जा रहे हैं।

(ग) लोगों से कहना है कि पानी में कचरा न डालें।

(घ) लोगों ने घर बनवाने के लिए और जलाऊ लकड़ी के लिए पेड़ काट डाले।

2. (क) पानी (ख) सुंदर (ग) गंदी (घ) मछलियाँ (ड) अपवित्र, पेड़ों

3. स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) महारानी (ख) पिता (ग) शत्रु (घ) हथनी (ड) भाई (च) मुर्गा

2. (क) नहीं (ख) गंदगी (ग) खाली (घ) दूर (ड) बदसूरत (च) बिगाड़ना

आइए कुछ बनाएँ

• स्वयं करे।

पाठ-12 : बचत का महत्व

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

• (क) बहू

(ख) अनाज की कोठी से

(ग) एक-दो मुट्ठी।

(घ) स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) इस बार वह फसल कम होने की वजह से चिंतित था। घर में राशन ग्यारह महीने चल सके उतना ही था। बाकी एक महीने के राशन का कहाँ से इंतजाम होगा? यह चिंता उसे बार-बार सता रही थी।

(ख) किसान के घर में ग्यारह महीने का राशन था।

(ग) “पिताजी, जब से आपने मुझे राशन के बारे में बताया तभी से मैं जब भी रसोई के लिए अनाज निकालती, उसी में से एक-दो मुट्ठी हर रोज वापस कोठी में डाल देती। बस उसी की वजह से बारहवें महीने का इंतजाम हो गया।”

(घ) किसान की बहू कुशल थी।

(ङ) “पिताजी, आजकल आप किस बात को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं?” तब किसान ने अपनी चिंता का कारण बहू को बताया। किसान की बात सुनकर बहू ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह किसी बात की चिंता न करें। उस एक महीने के लिए भी अनाज का इंतजाम हो जाएगा।

2. (क) कम (ख) सता (ग) वर्ष (घ) बारहवें (ङ) कुशलता

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (ग) 3. (ख) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) ज्यादा (ख) कल (ग) बुद्धिमान (घ) मरण (ङ) पतला (च) छोटा (छ) नीचा
(ज) कुरुप
2. (क) जनक, तात (ख) रात्रि, रजनी (ग) पुत्र, लड़का (घ) कृषक, भूमिपुत्र

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

पाठ-13 : बड़ा हाथी नन्हा कछुआ

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) कछुआ।
(ख) पानी में।
(ग) तितली।
(घ) आम की डाल पर।

लिखने के लिए

1. (क) एक दिन जब हाथी नहाने के लिए पानी में घुसा तो कछुआ तैरता हुआ आया और उसकी पीठ पर बैठ गया।
(ख) हाथी ने गुस्से में आकर कछुए को अपनी सूँड़ में पकड़ लिया।
(ग) कछुए ने कहा, “हाथी दादा, मैं तो भूल से तुम्हारी पीठ पर चढ़ गया था। सोचा कोई ऊँची चट्टान है।”
(घ) “उस नदी किनारे वाले आम के पेड़ से, जिसकी लंबी-टेढ़ी डाल नदी में झुकी हुई है। ओह! वह डाल कितनी मोटी है।
(ङ) हाथी ने जैसे ही पानी में झुकी हुई आम की डाल पर कछुए को बिठाया, वह पानी में कूद गया। फिर कछुए ने पानी से अपनी गर्दन निकालकर हँसते हुए कहा, “हाथी दादा, धन्यवाद!” यह कहकर उसने झट-से अपनी गर्दन पानी में छिपा ली। इस प्रकार सूझ-बूझ से कछुए ने अपनी जान बचा ली।
2. (क) नटखट (ख) कछुए (ग) अकड़कर (घ) चट्टान (ङ) हिम्मत

3. (क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ड) सत्य

4. स्वयं करें।

5. (क) बरगद की डाल खूब झूला झूलूँगा।

(ख) कोयल से गाना सुनूँगा।

(ग) कबूतर से कहानी सुनूँगा।

(घ) कौए से खूब बातें करूँगा।

(ड) बस उस पेड़ पर मुझे मत बिठाना।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (ख)

शब्दों का खेल

1. (क) कछुवें (ख) कबूतरों (ग) हाथियों (घ) कोए (ड) तितलियाँ (च) कोयले

2. (क) विश्वविख्यात (ख) आकर्षित बिंदु (ग) धनहीन (घ) भारतरत्न (ड) जिज्ञासु

3. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

• स्वयं करे।

पाठ-14 : एक बुढ़िया ने बोया दाना

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

• (क) हाथों हाथ बढ़ी।

(ख) काम नहीं बना।

(ग) गरम-गरम।

लिखने के लिए

1. (क) बुढ़िया ने गाजर बोई।

(ख) बुढ़िया ने अपने बेटे और पोते को बुलाया।

(ग) गाजर का हलवा बनाया।

2. (क) नहीं बना रे, नहीं बना काम हमारा नहीं बना।

(ख) बन गया रे, बन गया काम हमारा बन गया।

3. एक बुढ़िया ने बोया दाना गाजर हाथों-हाथ बढ़ी, खूब बढ़ी, रे खूब बढ़ी, सोचा तो इसे मैं खाऊँ, हलवा गरम-गरम पकाऊँ खींची गाजर जोर लगाए नहीं बना रे नहीं बना

4. स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (ख) 3. (ख)

शब्दों का खेल

1. खट्टा- मीठा सख्त- नरम पक्का- कच्चा आधी- पूरी
2. (क) औजार (ख) फल और सब्जी (ग) जंतु और पक्षी
3. (क) बेटे (ख) तीनों (ग) गाजरों (घ) कामों (ड) हलवे (च) रातें

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-15 : गुल्लू की जादुई छड़ी अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) अपने घर में।
- (ख) जादू की छड़ी।
- (ग) पेसिल, रबड़ और माँ को।
- (घ) जादू की छड़ी।

लिखने के लिए

1. (क) जादू की छड़ी वापस करी।
(ख) कुर्सी की जगह गुल्लू की माँ गायब हो गई।
(ग) गुल्लू से कहा- “मैं तुम्हारी माँ को वापस ला सकती हूँ, लेकिन उसे बाद तुमसे यह जादू की छड़ी वापस ले लूँगी।”
2. स्वयं करें।
3. (क) गुल्लू घबराकर उठ गया
(ख) गुल्लू ने मस्ती शुरू कर दी।
(ग) गुल्लू घबरा गया।
(घ) वह बहुत दूर जा चुकी थी।
4. स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क)
2. (क)
3. (क)
4. (ख)

शब्दों का खेल

1. बुढ़िया, जादुई, गुल्लू, कुर्सी
2. (क) जाना (ख) खोना (ग) दूर (घ) ऊपर (ड) चढ़ना (च) हँसना

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-16 : गुब्बारेवाला

अध्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) लाल, पीले हरे और नीले
- (ख) सफेद रंग का।
- (ग) हवा में।
- (घ) स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) जब कभी उसे लगता कि बिक्री कम हो रही है, वह झट-से एक गुब्बारा हवा में छोड़ देता, जिसे उड़ता देखकर बच्चे खुश हो जाते और गुब्बारे खरीदने के लिए पहुँच जाते।
(ख) “अगर आप यह काले वाला गुब्बारा छोड़ेंगे.... तो क्या वो भी ऊपर जाएगा?
(ग) वह गाँव के आस-पास लगने वाली हाटों में जाता और गुब्बारे बेचता।
(घ) स्वयं करें।
2. (क) छोटे बच्चे, गुब्बारे वाले
(ख) गुब्बारेवाले, छोटे बच्चे
(ग) गुब्बारेवाले, छोटे बच्चे
3. (क) हाटों (ख) काले, ऊपर (ग) गुब्बारे (घ) गुब्बारा (ड) गुब्बारेवाले

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (ख) 3. (ग) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. स्वयं करें।
2. (क) गुब्बारे (ख) काले (ग) रंगों (घ) बच्चे
3. स्वयं करें।
4. (क) दर्जी (ख) राजमिस्त्री (ग) अध्यापक (घ) सैनिक (ड) डॉक्टर

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

कुमुदिनी हिन्दी-3

पाठ-1 : बढ़े चलो बढ़े चलो अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. (क) शस्त्र, अस्त्र और वस्त्र।
- (ख) शिखर, निखर, बिखट।
- (ग) स्वतंत्रता का।
- (घ) आगे बढ़ते रहने की।

लिखने के लिए

1. घटा घिरी अटूट हो, अधर में कालकूट हो वहीं सुधा का धूँट हो, जिये चलो, मरे चलो। बढ़े चलो, बढ़े चलो छिड़ा मरण का राग हो। लहू का अपने काग हो, अड़ो वही, गड़ो वहीं बढ़े चला बढ़े चलो।
2. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ड) असत्य

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (क) 3. (ख)

शब्दों का खेल

1. स्वयं करें।
2. हिम- शिखर अटूट- घटा नई- मिसाल नया- कमाल

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-2 : चतुर उल्लू की सूझ अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. (क) तालाब।
- (ख) उल्लू।
- (ग) पानी में।
- (घ) दावत

लिखने के लिए

1. (क) गपशप (ख) धीमी (ग) दाँतों, नाखूनों (ख) तालाब
- (ख) उल्लू ने, बाघ को (ग) बाघ ने, उल्लू को

3. (क) अपने मित्र कछुए को बताने के लिए की भागों मित्र बाघ आ गया है।
 (ख) कछुआ अपनी धीमी चाल के कारण पकड़ा गया।
 (ग) उसने कहा, “बाघ भाई, कछुए का खोल धूप में सूखकर सख्त हो गया है। अगर आप कछुए को तालाब के पानी में कुछ देर के लिए छोड़ दे तो उसका खोल मुलायम और स्वादिष्ट हो जाएगा।
 (घ) उल्लू की सलाह सूनकर बाघ ने कछुए को पानी में फेंक दिया।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (क) 3. (ग) 4. (ख)

शब्दों का खेल

1. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (ii) (ड) (i)
2. स्वयं करें।
3. व्यक्ति, क्योंकि, जस्सी, लल्ला, कच्चा
4. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-3 : मीठी बोली कड़वी बोली

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. (क) नहीं।
 (ख) हमें सबसे मीठी बोली में बात करनी चाहिए।
 (ग) मीठी बोली।
 (घ) क्योंकि कौवे की बोली कड़वी थी।

लिखने के लिए

1. (क) गाती (ख) खुश (ग) अपना घोंसला (घ) अंडे (ड) कड़वा
2. (क) छोटी और प्यारी चिड़िया।
 (ख) एक दिन पेड़ को गौरैया गाना सुनाने लगी।
 (ग) गौरैया से पेड़ ने कहा, “मेरी डालों के बीच में एक जगह है, गौरैया बहन वहाँ तुम घोंसला बना लो।”
 (घ) उसने गौरैया से कहा, “मेरे पास से जितने सूखे तिनके लेना चाहो, ले जाओ। गौरैया बहन, तुम अपना घोंसला बना लो।”
- (ड) “मेरे पास तेरे लिए कोई जगह नहीं।
 (च) उसने कौवे से कहा, “मेरे पास तुम्हारे लिए कोई तिनका नहीं।

3. स्वयं करें। 4. स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (क) 3. (ग) 4. (ग) 5. (ग)

शब्दों का खेल

1. मीठा- कड़वा बुरा- अच्छा सफेद- काला खुशी- दुखी सुंदर- बतसूरत पास- दूर

2. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

• स्वयं करे।

पाठ-4 : चतुर व्यापारी

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) आदर्श नगर (ख) धनहीन (ग) पंसारी (घ) बिल्ली (ड) स्वर्ण

2. (क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ड) सत्य

3. (क) निर्धन विधवा आदर्शनगर में रहती थी।

(ख) शहर के करोड़पति का धनगुप्त नाम था।

(ग) अपनी माता के कहने पर वणिकपुत्र करोड़पति से मिलने गया?

(घ) धनगुप्त किसी अन्य युवक को डाँटते-फटकारते हुए कुछ इस तरह कह रहा था—

“तुममें तो जरा भी व्यापार- क्षमता दिखाई नहीं देती।

(ड) उसने वह मरा हुआ चूहा उस बिल्ली को खिला दिया। पंसारी यह देखकर खुश हो गया

(च) वणिकपुत्र की कहानी से धनगुप्त बहुत प्रभावित हुआ। उसने उसकी वृद्धि और कर्मठता की दाद दी और अपनी इकलौती बेटी की उससे शादी कर दी। पुरस्कार के रूप में उसने उसे वह सोने का चूहा भी लौटा दिया।

(छ) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क) 5. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) वह (ख) मैं (ग) मुझे (घ) वे

2. स्वयं करें।

3. (क) आलसी (ख) प्रसन्न (ग) असफल (घ) बुझाना (ड) प्रेम

4. (क) (ii) (ख) (i)

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-5 : चिड़िया का गीत

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) अंडे जैसा
- (ख) घोंसला
- (ग) निरंकार देव ‘सेवक’
- (घ) बहुत बड़ा है।

लिखने के लिए

1. सबसे पहले मेरे घर का अंडे जैसा था आकार। तब मैं यही समझती थी बस, इतना-सा ही है संसार। फिर मेरा घर बना घोंसला।
2. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ड) सत्य
3. (क) सबसे पहले चिड़िया का घर अंडे के आकार का था।
(ख) चिड़िया अपना घर सुखे तिनको से बनाती है।
(ग) चिड़िया आसमान में उड़ती है।
(घ) सुकुमार हरी-भरी थी।
(ड) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (क) 5. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) सुनारी (ख) लुहारिन (ग) धोबिन (घ) ग्वालिन (ड) कुम्हारी (च) मालिन
2. (क) नर (ख) मादा (ग) नर (घ) नर (ड) नर (च) मादा
3. (क) पतंगे (ख) छते (ग) औरतें (घ) पिंजरे (ड) चिड़ियाँ (च) सहेलियाँ
4. (क) बचपन (ख) जोड़ा (ग) विनती (घ) रूआँसा (ड) दरवाजा (च) स्वयं

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-6 : भिश्ती बना राजा

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) घबरा करा।
- (ख) तेज बाढ़।

(ग) दो दिन के लिए भारत का राजा बना दिया जाए।

(घ) चमड़े के।

लिखने के लिए

1. (क) भिश्ती राजन (ख) राजा (ग) सेना (घ) बाढ़ (ड) अमरसिंह

2. (क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) असत्य (ड) सत्य

3. (क) साधारण, साजिश, जबरदस्त, रानियों

4. (क) एक बार अमरसिंह की सेना पर दूसरे एक राजा ने जबरदस्त हमला कर दिया। अमरसिंह के सैनिक जान बचाने को यहाँ-वहाँ भागे। अमरसिंह खुद घबरा के दौड़ा और कर्मनासा नाम की नदी में कूद गया।

(ख) अमरसिंह कर्मनासा नदी में कूदा था।

(ग) अमरसिंह को नदी में से राजन ने निकाला।

(घ) आखिर चमड़े के थैले की मदद से ही तो एक राजा की जान बची थी।

(ड) मश्क चमड़े के उस थैले को कहते थे जिसमें पानी भरकर जगह-जगह पहुँचाया जाता था।

(च) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (ग) 3. (क) 4. (क)

शब्दों का खेल

2. जीत- हार डूबना- तैरना तेज- मंद सहारा- बेसहारा आया- गया फूला- सुखा

3. स्वयं करें।

4. हाथा- हाथ लगेना- लगाने कि- की जिवन- जीवन उसाका- उसका पनि- पानी

5. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

• स्वयं करे।

पाठ-7 : हर चीज में भगवान है अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

• स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) आश्रम (ख) ईश्वर (ग) ईश्वर (घ) जंगल

2. (क) सत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य

3. (क) शिष्य- गुरु जी (ख) शिष्य- गुरु जी (ग) गुरु जी- शिष्य (घ) महावत- लोगों

4. (क) शिष्य ने पूछा—“गुरुजी, क्या ईश्वर सचमुच है?”
- (ख) गुरुजी ने कहा—“ईश्वर अगर कहीं है तो वह हम सभी में है।”
- (ग) कुछ दिनों बाद शिष्य जंगल में लकड़ी लेने गया।
- (घ) हाथी के पीछे-पीछे महावत भी दौड़ता हुआ आ रहा था और दूर से ही चिल्ला रहा था—“दूर हट जाना, हाथी बेकाबू हो गया है, दूर हट जाना रे भैया, हाथी बेकाबू हो गया है।”
- (ङ) हाथी ने उसे धक्का देकर एक तरफ गिरा दिया और आगे निकल गया। गिरने से शिष्य होश खो बैठा।
- (च) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (ख) 3. (ख) 4. (ख)

शब्दों का खेल

1. (क) सुकुमारी (ख) सुशील (ग) सुरक्षा (घ) सुरीला (ङ) सुहानी (च) सुप्रभात
 (छ) सुरंग (ज) सुनहरी
2. (क) गुरुजी के आश्रम में कुछ शिष्य शिक्षा प्राप्त कर रहे थे।
 (ख) क्या मुझमें और आप में भी ईश्वर है।
 (ग) “दूर हट जाना, हाथी बेकाबू हो गया है।
 (घ) महावत ने सभी को बेकाबू हाथी से सावधान किया।
 (ङ) हाथी के पीछे महावत भी दौड़ता हुआ आ रहा था।
3. (क) (iii) (ख) (ii)
4. (क) चूहे (ख) सपने (ग) ऊँचाईयाँ (घ) विशेषताएँ
5. (क) लिलियन (ख) मिकी माउस (ग) वॉल्ट (घ) डिज्नीलैंड

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

पाठ-8 : सफेद मुर्गा अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क), (ख), (ग) स्वयं करें। (घ) सफेद

लिखने के लिए

1. (क) बुढ़िया (ख) सफेद (ग) संध्या (घ) सुंदरदास
2. (क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) असत्य
3. (क) मुर्गा (ख) गवाही (ग) इकट्ठी

4. (क) एक गाँव में एक बुढ़िया रहा करती थी।
 (ख) सफेद मुर्गा बुढ़िया को बहुत प्यार था।
 (ग) एक दिन संध्या के समय तक वह मुर्गा बुढ़िया के घर न लौटा। बूढ़ी ने कई लोगों के पास जाकर मुर्गे का पता पूछा, मगर कोई भी उसका पता बता न पाया। बेचारी बूढ़ी ने इसी चिंता में रात को खाना तक न खाया।
 (घ) गोपाल ने उस मुर्गे को देखते ही सोचा कि उसे ले जाकर हाट में बेच देने पर अच्छी कीमत मिल जाएगी।
 (ड) सवेरा होते ही बूढ़ी और अपनी गली के चार-पाँच लोगों को साथ ले सारे घर ढूँढ़ते-ढूँढ़ते गोपाल की गली में पहुँची और उसके आँगन में बँधे मुर्गे को देखा।
 (च) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (क) 3. (ख) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) कर्मचारियों (ख) स्तुति (ग) डालियाँ (घ) स्वीकार (ड) हरियाली (च) डाँटा
2. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-9 : कछुआ उड़ा हवा में अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) घूमने-फिरने में।
 (ख) स्वयं करें (ग) स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. रहता था, रहती थी, मित्रता, रहते थे, बिछाया, रोहु, फँस गई, बगुले, काट दिया, गई
2. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य
3. स्वयं करें।
4. स्वयं करें।
5. (क) स्वयं करें।
 (ख) घास, डंठल, तना।
 (ग) घास, डंठल, पेड़ का तना।
 (घ) नहीं।
 (ड) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) मीन (ख) सर्प (ग) सरोज (घ) वृक्ष (ड) पुष्प (च) नेत्र
2. (क) कछुआ (ख) बगुले (ग) मछलियाँ (घ) कमल, फूल
3. स्वयं करें।
4. (क) (ii) (ख) (ii)
5. (क) शाम (ख) छाँव (ग) सरदी (घ) रात
6. (क) पर्वत, अंचल (ख) वन, कानन (ग) नृप, भूपति

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-10 : आसमान की सैर अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) मनु और मीता आसमान की सैर को निकले।
(ख) वहाँ उन्हें छोटा भालू मिला। उसका नाम छुटकू था।
(ग) छुटकू ने उन्हें तीन किताबें दीं।
(घ) बादलों के गददे में सितारे टँके थे। सितारे जगमग करते थे।
(ड) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (क) 3. (ग) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) मछली (ख) साँप (ग) शीतल (घ) सितारे (ड) चश्मा (च) झाँक
2. (क) गद्दे (ख) चश्मे (ग) किताबें (घ) कहानियाँ (ड) रातें (च) सितारे

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-11 : बाँसुरीवाला अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) चूहो (ख) कपड़ो (ग) बच्चों (घ) ढीठ

2. (क) सत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य

3. हमेलिन में चूहों ने उत्पात मचा रखा था।

बाँसुरीवाले ने कहा— मैं चूहे भगा दूँगा।

बाँसुरीवाले ने बाँसुरी बजाई।

चूहे शहर से भाग गए।

मेयर ने बाँसुरीवाले को पचास गिल्डर देने चाहे।

बाँसुरीवाला नहीं माना।

वह बाँसुरी बजाकर बच्चों को गुफ में ले गया।

4. (क) श्रीमान, मुझे लोग बाँसुरीवाला कहते हैं। (लोगों की ओर देखकर) सुना है, हमेलिन में चूहों का उत्पात बहुत बढ़ गया है और जनता बड़े कष्ट में है। मैं आपकी समस्या हल कर सकता हूँ।

(ख) बाँसुरीवाला— श्रीमान, अच्छा तो यह होगा कि आप अपने वचन को पूरा करें। अगर आपने अनसुनी की तो...

मेयर— तो?

बाँसुरीवाला— आपको कष्ट उठाना पड़ेगा— चूहों के उत्पात से भी अधिक कष्ट।

(ग) बाँसुरीवाला मेयर और भीड़ पर एक निगाह डालकर, नई धुन में बाँसुरी बजाता हुआ एक और चल देता है। नगर के छोटे-बड़े सभी बच्चे उसके पीछे चलने लगते हैं। लोग अवाक् देखते रह जाते हैं। बच्चों के माँ-बाप चिल्लाने लगते हैं।

(घ) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (ग) 3. (ख) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) उपद्रव (ख) दृष्टि (ग) कठिनाई (घ) इंतजाम (ड) दुःख (च) युक्ति

(छ) सहमति (ज) महाशय

2. स्वयं करों। 3. स्वयं करों। 4. स्वयं करों। 5. स्वयं करों।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-12 : भारत के बच्चे अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) बच्चों के।

(ख) साहस, मजबूत।

(ग) कमजोरों की सहायता करना।

(घ) हाँ।

लिखने के लिए

1. (क) भारत (ख) बढ़ते (ग) तूफान (घ) हमको
2. स्वयं करें।
3. (क) दिल के मजबूत और साहस के पुतले हैं।
 (ख) जो हमसे टक्कर लेगा हम उसको सबक सिखाएँगे।
 (ग) हमें न समझो यूँ ही, हम हैं भारत माता की आशा। सब कुछ न्योछावर कर माँ की पूर्ण करेंगे अभिलाषा।
 (घ) बड़ी-बड़ी बाधाओं से भी न हैं डरने वाले चट्टानों को तोड़-फोड़कर राहें नई बनाएँगे।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (ख) 3. (क) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) निराशा, बेतहाशा (ख) आएँगे, गाएँगे (ग) पतले, उबले (घ) कहलाएँगे, सिखलाएँगे
2. स्वयं करें।
3. स्वयं करें।
4. (क) कहानियाँ (ख) बकरियाँ (ग) भेड़े (घ) मुद्राएँ (ड) आवाजें (च) खुशियाँ
5. (क) (ii)

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

पाठ-13 : गिलहरी और लोमड़ी

अध्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) पेड़ पर।
 (ख) फूल और पत्ते।
 (ग) गिलहरी पर।
 (घ) नहीं।

लिखने के लिए

1. (क) गिलहरी (ख) गलमोहर (ग) फूल, पत्ते (घ) नीम
2. (क) नरम (ख) नीम (ग) झपटी (घ) गुलमोहर
3. (क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) असत्य
4. (क) कुछ दूरी पर एक नीम का पेड़ था।
 (ख) गिलहरी गुलमोहर के पेड़ के नीचे छिपने के लिए गई थी।
 (ग) भागते-भागते गिलहरी गुलमोहर तक पहुँची।
 (घ) लगा कि पेड़ अपनी जीभ हिला रहा है। यह मुझे अभी खा जाएगा।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (ख) 3. (ग)

शब्दों का खेल

1. (ख) सब घरवाले परेशान थे।
(ख) उसकी आवाज निकल न पाई।

आङ्ग एक कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

पाठ-14 : राजा चाँद पर

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) भिड़ाता रहा (ख) फौरन (ग) तैयार (घ) प्रतीक्षा (ड) गुब्बारे
2. (क) मशालची (ख) चतुरसिंह (ग) भिड़ाता (घ) तारा (ड) बक्से
3. स्वयं करें।
4. (क) सत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य
5. (क) पूर्णिमा का चाँद आकाश में चाँदी के थाल-सा उगा। चारों ओर चाँदी छिटक गई।
राजा के मुँह से निकला, “वाह, कितना सुंदर...!” फिर उसने सोचा—‘चाँद पर अगर अपना भी एक महल हो, तो कितना अच्छा हो! वहाँ बैठकर मजे से धरती का नजारा देखा करूँगा।’
(ख) अगली सुबह चतुरसिंह सबसे पहले तैयार होकर दरबार में जा पहुँचा।
(ग) एक दिन नगर के लोगों ने ढोलवाले की आवाज सुनी, “सुनो, सुनो...! आदमी, औरत, बच्चे-बूढ़े, सब सुनो। हमारे महाराज चाँद पर जाना चाहते हैं। इसके लिए उन्हें लंबी सीढ़ी बनवानी है। इसलिए सब लोग अपने घरों की मेजें, बक्से, चारपाइयाँ आदि महल के सामने जमा कर दें। आज के बाद जिसके भी घर में इनमें से कोई भी चीज पाई जाएगी, उसे देश निकाला दे दिया जाएगा।”
(घ) जो चाँद नीचे से बिल्कुल सीढ़ियों के पास नजर आ रहा था, वह तो अब भी उतना ही दूर था। यह देख राजा का पारा सातवें आसमान पर पहुँच गया।
(ड) तभी एक मंत्री बोला, “अरे, मैं बताता हूँ। महाराज की सीढ़ी में नीचे से निकाल-निकालकर बक्से और चारपाइयाँ ऊपर लगाते जाओ। सीढ़ी अपने आप ऊँची होती चली जाएगी।”
(च) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. स्वयं करें।

1. (क) टीले (ख) चिट्ठियाँ (ग) घोड़े (घ) रानियाँ (ड) बूढ़े (च) तैयारियाँ (छ) पौधे
(ज) लड़ाइयाँ

आइए कुछ बनाएँ

• स्वयं करे।

पाठ-15 : लाला जी लड्डू दो

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

• स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. स्वयं करे।

2. लाला जी की मूँछें बहुत लंबी और सुंदर हैं। लाला जी एक लड्डू कितने का बेचते हैं।

3. (क) लड़के ने लाला जी से लड्डू माँगा।

(ख) रसगूल्ला, सोनापापड़ी, रसमलाई वर्फी।

(ग) स्वयं करें।

(घ) स्वयं करें।

(ड) हाँ।

(च) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) अपकी मूँछें कितनी सुंदर हैं।

(ख) पैसे तो नहीं हैं।

(ग) आपका शरीर की लंबाई बहुत लंबी है।

2. स्वयं करें।

3. लाला - ल + आ + ल + अ

लड्डू - ल + अ + ड + अ + ड + उ

मूँछें - म + ऊ + च + छ + अ

सुंदर - स + उ + न + द + अ + र + अ

आइए कुछ बनाएँ

• स्वयं करे।

कुमुदिनी हिन्दी-4

पाठ-1 : प्रकाश पुंज

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. (क) रुको नहीं चलते जाओ।
(ख) स्वयं करो।
(ग) स्वयं करो।
(घ) स्वयं करो।
(ङ) स्वयं करो।
2. (क) स्वयं करो। (ख) स्वयं करो।
3. स्वयं करें।
4. स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) मरन (ख) प्रकाश (ग) पीछे (घ) झूठे (ङ) जाओ (च) कायर (छ) असफल
(ज) सुख
2. (क) माँ (ख) भगवान (ग) बहादुर (घ) सूर्य
3. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-2 : आइज़क न्यूटन

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. (क) प्रकाश की गति का।
(ख) गरीब परिवार में।
(ग) कमजोर।
(घ) खेती।

लिखने के लिए

1. (क) पृथ्वी (ख) विज्ञान (ग) प्रकाश, नक्षत्रों, गणित (ख) घड़ी (ङ) वैज्ञानिक

कुमुदिनी हिन्दी-1 से 5

2. (क) न्यूटन ने सबसे पहले इस बात का पता लगाया और उसे वैज्ञानिक आधार दिया। उसने प्रकाश की गति को नापा, नक्षत्रों की गति समझी और गणित की गुणित्याँ सुलझाई। आज का विज्ञान उसी की खोजों पर खड़ा है। विज्ञान के अधिकतर नियम न्यूटन के ही बनाए हुए हैं। न्यूटन को जाने बिना विज्ञान की बातें अधूरी रह जाती हैं। वह सही अर्थ में विज्ञान जगत के पिता हैं।
- (ख) न्यूटन बाल्यावस्था से ही सीधा-साधा था वह शर्मिला था, कम बोलता था और शोर से घबराता था। खेल-कूद में उसकी रुचि कम थी।
- (ग) उसकी माता ने उसकी लगन देखी और उससे प्रभावित होकर उन्होंने उसे पढ़ाने की जिम्मेदारी ले ली। खेती का काम बंद करवा दिया। इस तरह न्यूटन घर पर ही पढ़ने लगा। एक साल पश्चात् उसे दोबारा स्कूल भेजा गया।
- (घ) बारह साल की आयु में उसने एक हवाई चक्की बनाई। फिर उसने एक घड़ी बनाई जो पानी से चलती थी। इस यंत्र में पानी एक बरतन से दूसरे में गिरता था। इससे सूझाँ धूमने लगती थीं। वह घड़ी बिल्कुल ठीक समय देती थी। एक दिन न्यूटन ने अजीब तरह की एक पतंग बनाई। कुछ कंडील बना, उसने उसमें रोशनी जला दी और उसे पतंग से बाँधकर उड़ाया। इस तरह सारे शहर में न्यूटन की धूम मच गई।
- (ड) वह इसी तरह की जोड़-तोड़ करता रहता था। जिस काम में लग जाता, उसे पूरा करके ही छोड़ता। उसकी बचपन की यह आदत बहुत काम आई। इसके बल पर न्यूटन ने बड़ी-बड़ी खोजें कीं। गणित की कई शाखाएँ निकालीं, विज्ञान की पेचीदा बातों को स्पष्ट किया और उनको गणित से सिद्ध किया। न्यूटन का नाम विज्ञान जगत में सदा अमर रहेगा।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (ख)

शब्दों का खेल

1. (क) (v) (ख) (i) (ग) (vi) (घ) (ii) (ड) (iii) (च) (iv)
2. स्वयं करें।
3. (क) रुई, रुमाल (ख) लच्छी, मच्छी (ग) ज्ञान, प्रज्ञान (घ) प्रभाव, प्रताप
4. स्वयं करें।
5. स्वयं करें।
6. सुबह- भोर प्रसन्न- खुश पानी- नीर अवश्य- जरूर कपड़ा- परिधान अंदर- भीतर बगीचा- उपवन सुंदर- खूबसूरत
7. (क) कमजोर (ख) जाना (ग) गुलाम (घ) अवज्ञा (ड) ज्यादा (च) बड़ा
8. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

पाठ-3 : संगति का फल

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) कौआ।
(ख) राजा की चादर गंदी हो गई थी और कौआ ने की।
(ग) बड़ा क्रोधी।
(घ) हंस पर बाण चलने का अपराध जिसे उसकी मृत्यु हो गई।
(ङ) हंस।

लिखने के लिए

1. (क) धनुष-बाण (ख) कौआ (ग) क्रोधी (ख) अपराध (ङ) चादर
2. (क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (ख) सत्य (ङ) सत्य
3. (क) राजा थक गया। अतः वह बीच रास्ते में ही एक विशाल पेड़ के नीचे बैठ गया। राजा अपने धनुष-बाण बगल में रखकर, चादर ओढ़कर सो गया। थोड़ी ही देर में उसे गहरी नींद आ गई।
(ख) पेड़ की खाली डाली पर एक कौआ बैठा था। उसने नीचे सोए हुए राजा पर बीट कर दी। बीट से राजा की चादर गंदी हो गई थी।
(ग) राजा ने समझा कि यह सब इसी हंस की ओछी हरकत है। इसी ने मेरी चादर गंदा की है। क्रोधी राजा ने आव देखा न ताव, ऊपर बैठे हंस को अपना तीखा बाण चलाकर घायल कर दिया।
(घ) हंस ने प्राण छोड़ने से पूर्व कहा—“हे राजन्! दुष्टों की संगति नहीं करना, क्योंकि उनकी संगति का फल भी ऐसा ही होता है।” राजा को अपने किए अपराध का बोध हो गया। अब वह पश्चाताप करने लगा।
(ङ) हमें दुष्टों की संगति से दूर रहना चाहिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (क) 5. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) एक दिन वह धनुष-बाण सहित पैदल ही चल पड़ा।
(ख) पेड़ की खाली डाली पर एक कौआ बैठा था।
(ग) मैं तो निर्मल जल में रने वाला प्राणी हूँ।
(घ) राजा स्वभाव से बड़ा क्रोधी था।
2. धनुष, प्राणी, खररटि, क्रोधी, प्रभाव, अपराध, निर्मल, प्रगति, दुष्ख
3. स्वयं करें।
4. (क) नृप, सप्नाट (ख) दीर्घ, विराट (ग) संग, साथ (घ) काग, काक (ङ) गुस्सा, रोष
(च) सिपपक्ष, मराल

5. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-4 : बरगद जी

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iv) (घ) (i)
2. (क) भगवती प्रसाद द्विवेदी।
(ख) स्वयं करें।
(ग) स्वयं करें।
(घ) जड़ें जमाकर धरती की गहराई में बुनते हैं डैनों के जाल बरगद जी!
(ड) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) सीढ़ (ख) करती (ग) रस (घ) सुनते (ड) खालो (च) नैनो (छ) खड़े
(ज) लाल (झ) माही (ज) ताले
2. (क) दादा जी की पीढ़ी वाले बरगद जी।
(ख) कोटर में अजगर, पक्षी डालों पर।
(ग) हवा, परेश या राही की बातों को।
(घ) जड़े जमाकर धरती की गहराई में।
3. (क) मारुति (ख) शुद्ध (ग) देवलोक (घ) शाम (ड) चंदा (च) सूर्य
4. (क) दूर (ख) नीचे (ग) धीरे (घ) बदसूरत (ड) अँधेरा (च) पतला
5. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-5 : चरित्र का मूल्य

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) राजपुरोहित।

- (ख) पाँच बहुमूल्य मोती।
- (ग) चरित्र
- (घ) अपने आसन पर।

लिखने के लिए

1. (क) लौकिक, परमार्थ (ख) योजना (ग) रंग (घ) सोना-चाँदी, हीरे-मोती
2. (क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य
3. स्वयं करें।
4. स्वयं करें।
5. (क) एक बार राजपुरोहित के मन में जिज्ञासा हुई कि राजदरबार में उन्हें आदर और सम्मान ज्ञान के कारण मिलता है अथवा चरित्र के कारण? इसी जिज्ञासा के समाधान हेतु उन्होंने एक योजना बनाई। योजना को क्रियान्वित करने के लिए राजपुरोहित राजा का खजाना देखने गए। खजाना देखकर लौटते समय उन्होंने खजाने में से पाँच बहुमूल्य मोती उठाए।
 (ख) स्वयं करें।
 (ग) स्वयं करें।
 (घ) राजपुरोहित ने हर दिन पाँच मोती तीन दिनों तक उठाएँ।
 (ड) ज्ञान और चरित्र में चरित्र बड़ा है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (क) 3. (ग) 4. (क) 5. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) राजाओं (ख) मोतिया (ग) प्रजाएँ (घ) खजाने
2. (क) वर्तमानकाल (ख) भविष्यकाल (ग) वर्तमानकाल (घ) वर्तमानकाल
3. स्वयं करें।
4. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-6 : पछतावे के आँसू अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) किताब खोने के कारण।
 (ख) पंकज के बस्ते से किताब मिलने पर अध्यापक को आश्चर्य हुआ।
 (ग) स्वयं करें।
 (घ) स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) बुरी (ख) ईमानदार, मेहनती (ग) किताब (घ) दुखी
2. (क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) असत्य
3. स्वयं करें।
4. (क) अध्यापक ने संजय से।
(ख) संजय ने पंकज से।
(ग) पंकज ने संजय से।
5. (क) संजय बहुत अच्छा बच्चा था पर उसको चोरी करने की बहुत बुरी आदत थी।
(ख) एक दिन अध्यापक ने संजय को तेज आवाज में डाँटते हुए कहा, “यदि अब किसी भी बच्चे का सामान चोरी हुआ, तो तुम्हें मैं पाठशाला से निकाल दूँगा।”
(ग) गणित की किताब की चोरी संजय की क्योंकि संजय को चारों करने की बुरी आदत थी।
(घ) संजय इस बात को सुनकर काफी दुखी हुआ और उसकी आँखों से पछतावे के आँसू बहने लगे। उसने जीवन में कभी चोरी न करने का निश्चय किया और दूसरे ही दिन उसने पूरी कक्षा के सामने और अध्यापक जी के सामने अपनी गलती स्वीकार की।
(ड) एक दिन अध्यापक ने संजय को तेज आवाज में डाँटते हुए कहा, “यदि अब किसी भी बच्चे का सामान चोरी हुआ, तो तुम्हें मैं पाठशाला से निकाल दूँगा।”

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. स्वयं करें।
2. (क) किताबे (ख) अध्यापकों (ग) बस्ते (घ) चोरियाँ (ड) बच्चे (च) पाठशालाएँ
3. (क) पुस्तक, ग्रन्थ (ख) गुरु, शिक्षक (ग) नेत्र, नयन (घ) दिवस, दिवा
(ड) ईसवी, साल (च) सहमति, मान्य

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-7 : पानी नहीं नहानी में अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) देखो (ख) नहानी (ग) आज नहाना (घ) लोटे-भर
2. (क) प्रभुदयाल श्रीवास्तव
(ख) स्वयं करें।

(ग) स्वयं करें।

(घ) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (ग) 3. (ग) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) बेटी (ख) जवानी (ग) बेर्इमान (घ) तबी (ड) सबकी (च) बेचारा

2. (क) दैनिक (ख) लेखक (ग) मांसाहारी (घ) परिक्षार्थी (ड) अदृश्य (च) श्रोता

3. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

पाठ-8 : अपना काम स्वयं करो

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) तीन (ख) फसल (ग) भरोसा (घ) कार्य

2. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ड) सत्य

3. (क) चिड़िया ने बच्चों से

(ख) किसान ने बेटे से

(ग) किसान ने बेटे से

(घ) किसान ने बेटे से

4. (क) घोंसले में चिड़िया अपने बच्चों के साथ रहती थी।

(ख) किसान ने सबसे पहले पड़ोसियों से खेत काटने के लिए कहा और वह नहीं आए।

(ग) “बेटा फसल अच्छी तरह पक गई है। मैंने पड़ोसियों से कहा था पर कोई भी फसल काटने नहीं आया। आज मैं अपने भाइयों से कहूँगा। वे लोग अवश्य ही हमारी फसल काट देंगे।” इतना कहकर किसान चला गया।

(घ) “लगता है हमें अपनी फसल खुद ही काटनी पड़ेगी, कोई किसी का काम नहीं करता।” इतना कहकर किसान वापस चला गया।

(ड) अपना कार्य स्वयं करना चाहिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) चिड़ियाँ (ख) पड़ोसियों (ग) फसलें (घ) भाइयों (ड) किसानों (च) स्थानों
2. (क) हसँना (ख) असुरक्षित (ग) बुद्धिमान (घ) कल (ड) गलत (च) अनेक
3. स्वयं करें।
4. स्वयं करें।
5. (क) युद्ध (ख) बलिदान (ग) सपना (घ) भवन (ड) भगवान

आइए कुछ बनाएं

- स्वयं करे।

पाठ-9 : भगवान सबको देखता है

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) राधे का।
- (ख) रामू के पिता।
- (ग) राधे के।

लिखने के लिए

1. (क) गाजर (ख) भगवान (ग) खलियान (घ) छाती (ड) खलियान
2. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ड) असत्य
3. (क) बेटे से पिता से।
(ख) रामू ने बेटे से।
(ग) रामू ने बेटे से।
(घ) रामू ने बेटे से।
4. (क) किसान के बेटे का नाम रामू था।
(ख) रामू ने राधे काका के यहाँ से गाजर चोरी किया।
(ग) रामू के पिता ने राधे के खलियान से अनाज चोरी करने की योजना बनाई।
(घ) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) दिन (ख) पैर (ग) अगले (घ) बेशरम (ड) राक्षस (च) नासमझ
2. किसान ने अपने बेटे को समझाया। बेटा तो समझ गया। लेकिन किसान ने खुद वो काम कर दिया, फिर बेटे ने किसान को समझाया। जिसे कोई नहीं देखता उसे भगवान देखता है।

3. स्वयं करें।

4. (क) रामू के पिता ने राधे के खलियान से अनाज चोरी करने की योजना बनाई।

(ख) रामू ने वहाँ जाकर एक गाजर खींचकर निकाल ली।

(ग) यह सुनकर किसान की गरदन शरम से झुक गई।

(घ) किसान ने अपने बेटे को छाती से लगा लिया।

5. (क) मेद्या मेद्यावली

(ख) सागर नदीश

(ग) पुष्प सुमन

(घ) पंकज सरोज

(ङ) ग्रह भवन

(च) पवन वायु

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-10 : बाबा जी का भोग

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) साधु (ख) बर्तन (ग) बैसाख (घ) खलियान (ङ) चैत्र

2. (क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य

3. स्वयं करें।

4. स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (क) 3. (ग) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. स्वयं करें।

2. (क) नारी (ख) अनाज (ग) भगवान (घ) रात्रि

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-11 : चिट्ठी-पत्री

अध्यास कार्य

बातचीत के लिए

- स्वयं करें।

लिखने के लिए

- (क) अदर्धवार्षिक (ख) टाइम-टेबल (ग) अंग्रेजी (घ) मुताबिक (ड) फोन
- (क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ड) सत्य
- (क) अदर्धवार्षिक परीक्षा चल रही थी।

(ख) परीक्षा का टाइम टेबल आ गया। मैं स्कूल में टाइम टेबल नोट करना भूल गई और मैंने अपनी सहेली मानसी की कॉपी से टाइम टेबल नोट किया। इस तरह मैंने खूब अच्छे से पढ़ाई की।

(ग) स्वयं करें।

(घ) मम्मी ने फोन पर कुछ सुना और मुझे चिल्लाते हुए कहा कि स्नेहा आज विज्ञान का पेपर है और तू गई नहीं। यह सुनकर मैं बिस्तर पर से खड़ी हो गई और पूछा- क्या कह रही हो। मैंने तुरंत अपनी सहेली मानसी के यहाँ फोन किया तो पता चला वो परीक्षा देने गई है।

(ड) आधा घंटा लेट होने के बावजूद मैं परीक्षा में तो बैठ गई और पर्चा हो गया।

बहुविकल्पीय प्रश्न

- (क) 2. (ख) 3. (ख)

शब्दों का खेल

- (क) पिछला (ख) दिन (ग) अध्यापक (घ) अनसुना
- (क) परीक्षा सिर पर थी, और सारे दोस्त पढ़ाई कर रहे थे।
(ख) पहला पर्चा हिंदी का था।
(ग) टीचर शाबाशी देती है।
(घ) मम्मी ने फोन पर कुछ सुना।
(ड) हमें टाइम टेबल जल्दबाजी में नोट नहीं करना चाहिए।

- | | |
|---------------|----------|
| 3. (क) एग्जाम | इम्तिहान |
| (ख) दिवस | दिन |
| (ग) सखी | संगिनी |
| (घ) पाठशाला | विद्यालय |
| (ड) माँ | माता |

4. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-12 : बरखा रानी

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- (क) बरखा ने।
(ख) मेद्यों की।
(ग) बादल ने।
(घ) रसधारा।

लिखने के लिए

1. (क) बरखा के आने से बहार ही बहार छा गई है?
(ख) बरखा रानी ने सावन-भादों में मनमानी की थी।
(ग) स्वयं करें।
(घ) स्वयं करें।
(ड) इस कविता के कवि ‘चौधरी’ हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (क) 3. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) गोरी (ख) पराभव (ग) बहूर (घ) अंदर (ड) पाताल (च) परलोक
2. (क) परिधान (ख) लीन (ग) बादल (घ) शक्ति (ड) विद्युत (च) जगत
3. (क) महारानी, बेगम (ख) सुंदरता, खूबसूरत (ग) मेद्य, मेद्यावली (घ) वर्षा, बरसात
4. (क) बरखा रानी आई कर तीन शृंगार।
(ख) साड़ी में लगी अति सुंदर।
(ग) बिजली की पायल पहने आई।
(घ) उसको ऐसी छाई मस्ती।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-13 : गांधी जी की रेलयात्रा

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) जबरदस्ती (ख) गिडगिडकर (ग) मुश्किल (घ) कलकत्ता, 1917 (ड) ईमानदार
2. (क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ड) असत्य
3. (क) कराची से कलकत्ता मुझे लाहौर के रास्ते जाना था।
 - (ख) स्वयं करें।
 - (ग) मेरी यह रात मुश्किल से बीती। दूसरे यात्री ज्यों-त्यों करके बैठ गए। मैं ऊपर वाली बैठक की जंजीर पकड़कर दो घंटे खड़ा ही रहा।
 - (घ) वे जितना मुझे परेशान करते थे, उतना ही शांति से मैं उन्होंने जवाब देता था। इससे वे कुछ शांत हुए। मेरी नाम-धाम पूछा। जब मुझे बतलाना पड़ा तब वे शरमाए। मुझसे माफी माँगी और मेरे लिए अपनी बगल में जगह कर दी।
 - (ड) अपनी किताब का नाम ‘सत्य के प्रयोग’ उन्होंने इसलिए ही रखा कि इसमें उनके जीवन में घटी वारदातों का ही जिक्र है। हममें से कितने लोग ईमानदारी से यह कहने की हिम्मत जुटा पाते हैं कि मुझमें सीखने लायक समझ नहीं है और न मुकदमों में मेरी रुचि।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (क) 3. (ख)

शब्दों का खेल

1. (क) कठिन, दुष्कार (ख) दिनांक, तिथि (ग) राह, सड़क (घ) भीतरी, अंतर्गत (ड) रेलगाड़ी, ट्रेन (च) सूर्य, रवि
2. (क) आसान (ख) बेशरम (ग) बाहर (घ) उपयोग (ड) अनिश्चित (च) असुविधा
3. (क) द्वारा (ख) पीड़ा (ग) अंदर (घ) भार

आइए कुछ बनाएं

- स्वयं करें।

पाठ-14 : दशहरे का मेला

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) हल्की-हल्की (ख) बीस (ग) छुट्टियाँ (घ) पुस्तकालय (ड) रसगुल्ले
2. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ड) सत्य
3. (क) ममी ने रवि से।
 - (ख) रवि ने अचरच से।

- (ग) मामा ने बच्चों से।
 (घ) दादा जी ने बच्चों से।
- 4. (क) स्वयं करें।**
- (ख) सब बच्चों को मेले के लिए बीस रुपये मिले।
 (ग) स्वयं करें।
 (घ) स्वयं करें।
- (ड) खोमचेवाले हर जगह जमे हुए थे। चूरन, भेलपूरी, चाट, आइसक्रीम और मूँगफली, सबने अपनी छोटी-छोटी ढेर-सारी दुकानें खोल ली थीं। मिठाइयों और खिलौनों की भी भरमार थी। सड़क पर खूब हलचल थी और लाउडस्पीकरों पर जोर-जोर से बजते हुए गाने कान फाड़े डालते थे।
- (च) मामा जी मुस्कराकर बोल, “मेले में तुम्हें मिठाइयाँ ही खरीदनी होती हैं? चलो भाई, अबकी बार मिठाई हम खरीद देंगे। बीस रुपये जमा करके तुम पुस्तकालय के सदस्य बन जाओं और नियमित रूप से पुस्तकें पढ़ो तो सालभर तुम्हारा ज्ञान भी बढ़ेगा और मनोरंजन भी होगा।”

बहुविकल्पीय प्रश्न

- 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (ख)**

शब्दों का खेल

- 1. स्वयं करें।**
- 2. (क) प्रतीक्षा (ख) भारी (ग) धन (घ) पूर्वसंध्या (ड) मनोरंजक (च) व्यवस्था**
- 3. (क) मेले में खर्च करने के लिए बीस रुपये मिले।**
- (ख) कंचू ने गुलाबी रंग की रेशमी फ्रॉक सिलाई थी।
 (ग) रवि की पसंद के सफेद रसगुल्ले मेज पर आए।
 (घ) मंदिर में अष्टमी की आरती के घंटे बजने शुरू हुए।
 (ड) सभी बच्चे दादी के साथ भारती देखने गए।
- 4. स्वयं करें।**
- 5. (क) रानी (ख) मूर्खता (ग) नफरत (घ) न्याय (ड) अनिच्छा (च) पुत्री**
- 6. (क) आखें (ख) फैसलों (ग) बधाइयाँ (घ) मौके (ड) किताबें (च) मेजों**
- 7. स्वयं करें।**

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-15 : एक था राजा!

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) हाथ (ख) हर-बार, मसल-मसल (ग) बजीर ने (घ) खिड़की पार रोशनदान
2. (क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ड) सत्य
3. (क) राजा के हाथों के नाम दाया और बायाँ था।
(ख) राजा से वजीर ने बगावत की।
(ग) स्वयं करें।
(घ) वह दरवाजे से बाहर निकला और ऊपर की छत पर चढ़के किले के पीछे वाली नदी में कूद गया। दायाँ-बायाँ ने भी खूब मेहनत की और राजा को लेकर दूसरे किनारे पर पहुँच गए।
(ड) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (क) 3. (ख) 4. (क) 5. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) हस्त, भुजा (ख) नृप, भूपति (ग) कष्ट, पीड़ा (घ) राजभवन, राजमहल
(ड) झरोखा, दरीचा (च) अश्व, तुरंग
2. (क) बायाँ (ख) सीधा (ग) रानी (घ) पैर (घ) पैर (ड) झोपड़ी (च) नीचे
3. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

पाठ-16 : गोटू और मोटू

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) बुलबुलों (ख) जोर-जोर (ग) और (घ) बुलबुले (ड) खुशी
2. (क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ड) सत्य
3. (क) गोटू और मोटू जोकर डंबो सर्कस में काम करते थे। वे दोनों अच्छे मित्र थे। गोटू बहुत लंबा और पतला था, जबकि मोटू छोटा व मोटा था।

- (ख) जैसे ही मोटू बुलबुले को पकड़ने के लिए ऊपर की ओर कूदा, फिसलकर नीचे गिर गया।
- (ग) ‘शो’ के बाद उस रात जैसे ही सब लोग रात के खाने के लिए कइट्ठे हुए, मोटू के दिमाग में एक विचार आया। उसने गोटू की प्लेट से 2 पूँडियाँ चुराकर अपनी जेब में रख लीं, लेकिन गोटू को इस बात का पता न चला। अगले दिन जब गोटू चमकीले लाल कपड़ों में शो के लिए तैयार हो रहा था, तभी मोटू ने उसकी कमीज के पीछे पूँडियों को लटका दिया। फिर उसने गोटू से कहा, “जल्दी करो, शो के लिए तुम्हें देर हो रही है।”
- (घ) स्वयं करें।
- (ङ) गोटू व मोटू जल्दी से सर्कस से बाहर आए।

बहुविकल्पीय प्रश्न

- 1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (ग) 5. (क)**

शब्दों का खेल

1. (क) बुरे (ख) रोते (ग) दिन (घ) अंत (ङ) अनिश्चय (च) छोटा
2. (क) गोटू और मोटू अच्छे दोस्त थे।
- (ख) मोटू दर्द के कारण जोर-जोर से रोने लगा।
- (ग) गोटू ने मोटू के साथ मजाक किया था।
- (घ) सर्कस सब देखने जाते हैं।
3. (क) प्रयत्नपूर्वक (ख) अधिकता (ग) जिम्मेदारी (घ) विचारपूर्वक (ङ) प्रमाणित
- (च) नियमित

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

कुमुदिनी हिन्दी-5

पाठ-1 : हमारा संकल्प

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. अपनी ही नहीं नजर हैं।

उयम् का दीप जलाएँगे।

उम्रीद मारकर बैठे हैं।

2. स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (ग) 3. (ख) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) रात (ख) उपवन (ग) परलोक (घ) मिट्टी (ड) उत्साह

2. भाग्यवान, धनवान, विद्वान, भगवान

3. (क) उल्लू बनाना

(ख) कान खड़े (ग) गागर में सागर (घ) हाथ मलने (ड) अँगूठा

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

पाठ-2 : घड़ी का इतिहास

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) घड़ी (ख) सूर्य (ग) धूप घड़ी (ख) बताने

2. (क) सत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (ख) असत्य

3. (क) (iii) (ख) (v) (ग) (iv) (घ) (i) (ड) (ii)

4. (क) प्राचीन काल में लोग सूर्य की गति देखकर समय का अंदाजा लगाते थे।

(ख) प्रसिद्ध फ्रांसीसी गणितज्ञ और दार्शनिक ब्लेज पास्कल।

(ग) क्वार्ट्ज घड़ी सेकंड के एक लाखवें हिस्से को भी नाप सकती है।

(घ) घड़ियों के आविष्कार ने ही मानव को समय के साथ चलना सिखाया है और जिसने भी समय का आदर किया, वह सफलता के उच्चतम शिखर तक पहुँच गया।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (ग) 3. (ख) 4. (ग)

शब्दों का खेल

1. स्वयं करें।

2. रस्सी	यंत्रिक		
व्यापारी	इलेक्ट्रॉनिक		
दोस्ती	विज्ञानिक		
पहाड़ी	प्रयोगिक		
3. उपसर्ग	नए शब्द	उपसर्ग	नए शब्द
उप	उपस्थित	प्र	प्रगति
अ	असमर्थ	प्र	प्रसिद्ध
वि	विशेष	प्र	प्रदेश

4. (क) अधुनिक (ख) आकाश (ग) सूर्यअस्त (घ) निरादर (ड) अनुपस्थित

(च) निम्नतम

5. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएं

• स्वयं करें।

पाठ-3 : साहसी की सदा विजय अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) मेमना (ख) बकरी (ग) विपत्ति (ख) सीख

2. (क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (ख) असत्य

3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iv) (घ) (iii)

4. स्वयं करें।

5. (क) बकरी और मेमना पानी पीने के लिए नदी के किनारे गए।

(ख) “साहस से काम लो तो संकट टल जाता है। धैर्य यदि बना रहे तो विपत्ति से बचाव का रास्ता निकल ही आता है।”

(ग) नदी ने भेड़िए के आने की सूचना दी।

(घ) भेड़िये ने अपना चेहरा देखने के लिए नदी में झाँका, पीछे से बकरी ने अपनी पूरी ताकत समेटकर जोर का धक्का दिया। भेड़िया अपने भारी-भरकम शरीर को सँभाल न पाया और 'धप्प' से नदी में जा गिरा। उसके गिरते ही बकरी ने वापस जंगल की दिशा में दौड़ना शुरू कर दिया। उसके पीछे मेमना भी था।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (ग)

शब्दों का खेल

1. (क) मेमने (ख) नदियाँ (ग) मेहमानों (घ) बकरियाँ (ड) भेड़ियाँ (च) राक्षसों
2. (क) देव (ख) कडवा (ग) प्यासा (घ) अच्छा (ड) निडर (च) तिरस्कार
3. (क) जल (ख) पथ (ग) धीरता (घ) कठिनाई (ड) निवास (च) नमस्कार
4. माँ, हस्तें, मंत्री, आँख, मुहँ, गाँव, गंदा, पसंद, संभव, जंगल, झांकू, अँधेरा
5. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-4 : पतंग का मौसम

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. मौसम आज पतंगों का है। नभ में राज पतंगों का है इंद्रधनुष के रंगों का है। मौसम नई उमंगों का है। निकले सब ले डोर पतंगों सुंदर-सी चौकोर पतंगे उड़ा रहे कर शोर पतंगों दिखों चारों ओर पतंगे
2. (क) पतंगों के उड़ने का मौसम बसंत के नाम से जाना जाता है।
 - (ख) स्वयं करें।
 - (ग) पतंगे डोर पर बैठकर चलती हैं।
 - (घ) पतंगों से हम पेंच लड़ते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (क) 3. (ग)

शब्दों का खेल

1. (क) समय (ख) कोलाहल (ग) दल (घ) आकाश
2. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

पाठ-5 : सुंदरता कर्म से सिद्ध होती है अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) सुंदरता (ख) झील (ग) नोंचना (घ) लंबे, पतले, भद्रे (ड) ईश्वर

2. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ड) असत्य

3. हिरण ने	मेंढक से
मेंढक ने	हिरण से
मेंढक ने	हिरण से
मेंढक ने	हिरण से

4. (क) हिरण

(ख) स्वयं करें।

5. (क) एक बारहसिंगा हिरन था। वह खूब स्वस्थ और सुंदर था।

(ख) “वाह, हिरन भाई! तुम तो बड़े सुंदर हो।”

(ग) हिरन ने अपने पैर देखे। लंबे, पतले, सूखे और भद्रे पैर। उसका मन दुखी हो उठा।

(घ) “मैं अपने पैरों को लंबे, पतले और भद्रे समझता था, जबकि वही मेरे प्राण बचाना चाहते थे और जिन सींगों को मैं सुंदर और दुर्लभ समझता था, वही मेरी मृत्यु का कारण बने हैं।”

(ड) किसी चीज की सुंदरता उसके कर्म से सिद्ध होती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

- 1. (ख) 2. (ग) 3. (क) 4. (क) 5. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) अस्वस्थ (ख) सौभग्य (ग) बदसूरत (घ) अच्छी (ड) कमज़ोर (च) बहन

2. (क) हिरण अपनी सुंदरता के घमंड में मर गया।

(ख) हम दूसरों पर उँगली उठाते रहते हैं लेकिन अपनी गलती नहीं देखते हैं।

(ग) हिरन के बहुत घमड़ी होने के बाबजूद भी उसका घमंड टूट गया।

- 3. स्वयं करें।

4. (क) मेजें (ख) सींगों (ग) किताबें (घ) नदियाँ (ड) कक्षाएँ (च) जंगलों

(छ) अध्यापकों (ज) हवाओं

5. (क) बकरी (ख) हिरणी (ग) मेंढकी (घ) कुत्तिया (ड) गाओनी (च) हथिनी
(छ) शेरनी (ज) गाय
6. (क) हिरन (ख) दिल्ली (ग) मेंढक, हिरन (घ) हिरन, कुत्तों

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-6 : चालाक भेड़िया

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) नुकीले (ख) दरवाजा (ग) कान (घ) होशियार (ड) लज्जित
2. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) असत्य (घ) असत्य (ड) सत्य
3. बकरी ने, अपने बच्चे से
बकरी के बच्चे ने, भेड़िया से
4. (क) एक बकरी और उसका एक बच्चा था। जंगल में बकरी का छोटा-सा घर था। दोनों माँ बेटा उसी में रहते थे। बकरी के सींग बहुत नुकीले थे। उसके सींगों से सब डरते थे। भेड़िया तो उसे दूर से देखकर ही छिप जाता था। बकरी भी भेड़िये पर ज्यादा गुस्सा करती थी क्योंकि वह भेड़िया हर समय उसके बच्चे को खाने की ताक में रहता था।
(ख) जब तक मैं न आ जाऊँ दरवाजा मत खोलना।
(ग) भेड़िया कुछ देर बाद दरवाजे पर पहुँचा। उसने दरवाजा खटखटाया।
(घ) उसने दरवाजे की झिर्री में से देखा। उसे बाहर खड़ा भेड़िया नजर आया। उसके होश उड़ गए।
(ड) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (ख) 3. (क) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. स्वयं करें।
2. (क) बकरियाँ (ख) भेड़ियाँ (ग) झाड़ियाँ
3. (क) दिन (ख) बड़ा (ग) पतला (घ) छोटा (ड) नीडर (च) दिखा (ठ) काला
(ठ) बुरा
4. (क) डॉक्टर (ख) दानी (ग) किसान (घ) शाकाहारी (ड) मांसाहारी

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

पाठ-7 : अप्रैल फूल

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) एस० डी० ओ० (ख) राइटिंग पैड, लिफाफे (ग) ग्लोब (घ) मूर्ख

2. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) असत्य (घ) असत्य

3. (क) स्वयं करें।

(ख) मालूम है, उसने क्या किया था? उसने न जाने कैसे एक कागज पर गधे की तस्वीर बनाकर मेरी ड्रेस के पीछे चिपका दी थी। उस पर लिखा था— “मैं पत्थर हूँ। बच के निकलना!” सारे दिन सब बच्चे मेरा मजाक बनाते रहे।

(ग) अब सवाल था, कि यह निमंत्रण किससे भिजवाया जाए। सौ मैंने रेवा के घर की महरी को पकड़ा और खूब समझा दिया कि सिवाय रेवा के वह सबके पास इस चिट्ठी को देकर दस्तखत करा लाए। पर वह क्यों करने लगी मुफ्त में मेरा काम? और उसको भी पूरा एक रुपया इस काम के लिए देना पड़ा। मेरी गुल्लक में सवा तीन रुपये जमा हुए थे, उसी में से यह सब खर्चा किया था मैंने।

(घ) पिंकी फाउंटेन पेन दे रही थी। वीनू की माँ एक राइटिंग पैड और लिफाफे लाई थी— यह सोचकर कि रेवा मथुरा में रहती है, माँ-बाप को चिट्ठी लिखने के काम आएगा। साथ में तस्वीरों वाले पोस्ट-कार्डों का सेट भी था। छुनू ने एक ग्लोब खरीदा था। दीना और पाँचू क्या ले जाएँगे, पता नहीं था।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) 2. (क) 3. (ग)

शब्दों का खेल

1. स्वयं करें।

2. (क) कमजोर (ख) जाना (ग) नौकर (घ) अवज्ञा (ड) अधिक (च) बड़ा (छ) उठना

(ज) साफ

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

पाठ-8 : गवैया गधा

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) बूद्धा-सा (ख) मोटा-ताजा (ग) सुरीली (घ) घिसटता (ड) गधे
2. (क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ड) सत्य
3. (क) गधे ने, गीदड़ से (ख) गीदड़ ने, गधे से (ग) गधे ने, गीदड़ से
(घ) गीदड़ ने, गधे से
4. (क) गधा रोज सवेरे मैले कपड़ों की गठरी लेकर घाट जाता और शाम को धुले कपड़ों को लादकर घर लाता। रात होने पर उसे घूमने की छुट्टी मिल जाती थी। एक बार उसकी भेट एक गीदड़ से हुई।
(घ) गधे का दोस्त गीदड़ बना।
(ग) दोनों भोजन की तलाश में साथ-साथ घूमने लगे। इसी तरह घूमते-फिरते वे पके खीरों के एक खेत में जा पहुँचे और पेट भरकर खीरे खाए। दूसरी रात वे फिर वहाँ गए और जी भरके खीरे खाए।
(घ) खीरे खाकर मरियल गधा मोटा-ताजा हो गया।
(ड) गधे का मन गाना गाने का कर रहा था।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) 2. (ग) 3. (क) 4. (क) 5. (क)

शब्दों का खेल

1. स्वयं करें।
2. (क) धोबी के पास गधे थे।
(ख) गीदड़ गधे के दोस्त हैं।
(ग) गधा और गीदड़ खीरों की दावत उड़ाते रहे।
(घ) चाँद कैसे लग रहे हैं।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-9 : बादल बरसे रे

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. कल ही बोली थी अम्मा लो चिड़िया धूल नहारती। और फौज की फौज चीटियाँ अंडे लेकर जानी। बरसेगा जब मेद्य समेटो कपड़े-लत्ते रे। बादल बरसे रे....।
2. (क) बादल (ख) अंडे (ग) हो गई
3. (क) इस कविता में कपड़े-लत्ते समेटने की बात बारीस पड़ने के लिए कही गई है।

- (ख) सूरज की छुट्टी हुई और पेड़-पौधों की मौज आई।
 (ग) झिलमिल बूँदें चली गली में गलबहियाँ डालें। आगे चल-कर मिली नालियाँ उमड़ उठे नाले।
 (घ) नाचे मोर, पपीहा गाए, पीपल हरसे रे। उमड़-घुमड़ घिर आए बादल रिमझिम बरसे रे।

बहुविकल्पीय प्रश्न

- 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (क)**

शब्दों का खेल

- 1. स्वयं करें।**
2. (क) मेद्य, अभ्र (ख) नेत्र, नयन (ग) सरिता, तटिनी (घ) शेर, केशी (ड) विद्युत, दामिनी (च) वस्त्र, चीज़
3. (क) सक्षम (ख) प्रतिकूल (ग) विराग (घ) फिजूल (ड) वैकल्पिक (च) शक्ति (छ) गरीब (ज) विष
4. (क) जल्दी ही हम दिल्ली पहुँचेंगे। (ख) मोना ने सब्जी खरीद ली। (ग) तुम क्या कर रहे थे? (घ) दुकानदार सामान तोल रहे होंगे। (ड) गौरव रेलगाड़ी से आ गया है।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-10 : अनोखी चिट्ठी

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- 1. स्वयं करें।**

लिखने के लिए

- 1. (क) अम्मा जी (ख) पुलिस (ग) रसोई (घ) मोर (ड) आँख
 2. (क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) असत्य (ड) सत्य
 3. (क) सुमित ने रवि को चिट्ठी लिखी।**
- (ख) अम्मा ने दबे कान उठकर देखा—मोर फ्रिज में से दाल निकालकर खा रहा था। अम्मा ने चौका देखकर फट से रसोई का दरबाजा बंद कर दिया। मोर बेचारा फँस गया। तब अम्मा ने बाकी घरवालों को जमा किया। पापा ने तुरंत पुलिस को फोन कर दिया। मोर साहब पहुँच गए जेल में। थानेदार भी अम्मा की भेलपुरी की तारीफ कर रहे थे।

- (ग) दूसरी बार रसोई में अम्मा ने बंदर को पाया।
- (घ) सच! बहुत याद आती है। पिछली गर्मी की छुट्टियाँ जब हम दोनों गाँव में सैर किया करते थे। घंटों खेतों में घूमना, पेड़ों से आम तोड़ना, गन्ने तोड़ना, पोखर में काँटा डालकर मछली छोड़नामैं ये सारी बातें कभी नहीं झूल सकता।
- (ड) चोर घर में खिड़की की जाली काटकर घुस गया।

बहुविकल्पीय प्रश्न

- 1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (क) 5. (क)**

शब्दों का खेल

- 1. स्वयं करें।**

- | | | |
|--|----------------------------|-------------------------|
| 2. चोर – तस्कर, दस्तु | गाँव – ग्राम, देहात | समय – वक्त, वेला |
| सिपाही – सैनिक, फौजी | बहन – बहिन, भगिनी | आँख – नयन, नेत्र |
| 3. (क) अअनुभवी (ख) अक्षम्य (ग) शाकाहरी (घ) शरणार्थी | | |

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।**

पाठ-11 : चौपट राजा

अध्यास कार्य

बातचीत के लिए

- 1. स्वयं करें।**

लिखने के लिए

- 1. (क) भीक्षा (ख) मालदार (ग) अंधेर नगरी (घ) पेट (ड) मर**
- 2. (क) असत्य (ख) असत्य (ग) असत्य (घ) असत्य (ड) असत्य**
- 3. (क) स्वयं करें।**
- (ख) महंत – मैं तो इस नगर में अब एक क्षण भी नहीं रहूँगा। देख मेरी बात मान, नहीं तो पीछे पछताएगा। मैं तो जाता हूँ, पर इतना कहे जाता हूँ कि संकट पड़ तो याद करना।
- (ग) महंत – तो बच्चा, ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टके सेर भाजी और टके सेर खाजा बिकता है।
- (घ) गोवर्धन दास को पहला सिपाही मोटा होने के कारण पकड़ कर ले गया।

बहुविकल्पीय प्रश्न

- 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (क)**

शब्दों का खेल

- 1. स्वयं करें।**

2. (क) भिक्षा (ख) महाराज (ग) कोतवाला (घ) स्वर्ग (ड) गड़रिया (च) मिठाई
3. (क) निर्बल (ख) निर्मम (ग) अत्याचारी (घ) दैनिक (ड) राष्ट्रव्यापी (च) समीपवर्ती
4. (क) अंक- संख्या, गोद, चिह्न-
 - (ख) अंचल- अटल, गतिहीन, पर्वत
 - (ग) अंबर- बादल, वस्त्र, कपास
 - (घ) अधर- होंठ, अंतरिक्ष, तुच्छ
 - (ड) गति- चाल, रफ्तार, दशा
 - (च) कृष्ण- काला, देवकी के पुत्र, बुरा

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

पाठ-12 : भक्त प्रह्लाद

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) शक्तिशाली (ख) वरदान (ग) होनहार, बुद्धिमान (घ) नाखूनों (ड) प्रह्लाद
2. (क) सत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ड) असत्य
3. (क) “मुझे न कोई अस्त्र से मार सके न कोई शस्त्र से, न मनुष्य मार सके न जानवर, न धरती पर न आसमान में, न दिन में न रात में, न कोई घर के अंदर मार सके न कोई घर के बाहर।”
 (ख) “मुझे न कोई अस्त्र से मार सके न कोई शस्त्र से, न मनुष्य मार सके न जानवर, न धरती पर न आसमान में, न दिन में न रात में, न कोई घर के अंदर मार सके न कोई घर के बाहर।”
- (ग) हिरण्यकश्यप ने पूछा, “भगवान कहाँ रहता है?” प्रह्लाद ने कहा, “देखा तो नहीं। पर ऐसी कोई जगह नहीं, जहाँ भगवान नहीं है।” हिरण्यकश्यप ने पूछा, “तो क्या वह यहाँ भी है?” प्रह्लाद ने कहा, “हाँ! भगवान दुनिया की हर चीज में हर समय मौजूद रहते हैं।” हिरण्यकश्यप ने गुस्से में आकर और कोई चीज सामने न पाकर बरामदे के खंभे की ओर इशारा करके पूछा, “तो क्या तुम्हारा भगवान इस खंभे में भी है?” प्रह्लाद ने कहा, “हाँ!”
- (घ) उसने खड़े होकर अपनी पूरी ताकत से दोनों हाथों से खंभे को धक्का मारा और बोला, “दिखा, कहाँ है इसमें तेरा भगवान?”
- (ड) भगवान नरसिंह ने अपने बड़े-बड़े नाखूनों से हिरण्यकश्यप का वध कर दिया।

बहुविकल्पीय प्रश्न

- 1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (घ) 5. (ज)**

शब्दों का खेल

1. (क) तपस्या (ख) शक्तिशाली (ग) प्रह्लाद (घ) नरसिंह (ड) तथास्तु (च) अस्त्र
2. (क) धरती, भूमि (ख) रोशनी, चमक (ग) दिनकर, सूर्य (घ) साल, सन् (ड) आसमान, आकाश (च) मार्ग, रास्ता
3. (क) अभिशाप (ख) चेला (ग) अंधकार (घ) पाताल (ड) मूर्ख (च) रात
4. स्वयं करें।

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-13 : सुबह

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- 1. स्वयं करें।**

लिखने के लिए

1. चिड़ियाँ गाती हैं मिल-जुलकर बहते हैं उनके मीठे स्वर, ठंडी-ठंडी हवा सुहानी चलती है जैसे मस्तानी। खो देते हैं आलस सारा, और काम लगता है प्यारा सुबह भली लगती उनको मेहनत प्यारी लगती जिनको।
2. (क) कलियाँ सूरज के आने पर खिली हैं।
(ख) स्वयं करें।
(ग) सुबह भली मेहनती लोगों को लगती है।
(घ) आलस सबसे बड़ा दुर्गुण है।
(ड) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

- 1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (क) 5. (क)**

शब्दों का खेल

1. (क) नैन- नयन (ख) हिय- हृदय (ग) पाहन- पत्थर (घ) सनेह- स्नेह
(ड) तिरसूल- त्रिशूल (च) सीतल- शीत
2. (क) प्रकाश (ख) मेहनत (ग) कड़वा (घ) बदसूरत (ड) रात (च) दोष
3. (क) किरणें (ख) खिल (ग) सुहानी (घ) धरती (ड) स्वर
4. (क) किरणें (ख) कहानियाँ (ग) कलियाँ (घ) गुणों (ड) चिड़ियाँ (च) प्राणियों

- धरती- पृथ्वी, धरा
- सुबह- प्रातः, प्रभात
- किरण- मरुख, प्रभा
- सुंदर- आकर्षक, प्यारा
- सूरज- सूर्य, भानु
- प्राणी- मनुष्य, मानव

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।

पाठ-14 : झोपड़ी

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

- स्वयं करें।

लिखने के लिए

- (क) जमीदार, अनाथ (ख) जमाने (ग) पोती, वृद्धाकाल (घ) निष्फल (ड) झोपड़ी, टोकरियाँ
- (क) असत्य (ख) असत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ड) सत्य
- (क) विधवाने, महाराज से (ख) महाराज ने, विधवा से (ग) विधवा ने, महराज से (घ) विधवा ने, महाराज से
- (क) जमीदार साहब को अपने महल का अहाता उस झोपड़ी तक बढ़ाने की इच्छा हुई।
(ख) उसकी पोती इस वृद्धाकाल में एकमात्र आधार थी।
(ग) जब से उसने अपने श्रीमान पड़ोसी की इच्छा का हाल सुना, तब से वह मृतप्राय हो गई थी।
(घ) दुःख को किसी तरह सँभालकर उसने अपनी टोकरी मिट्टी से भर ली और हाथ से उठाकर बाहर ले आई। फिर हाथ जोड़कर श्रीमान से प्रार्थना करने लगी कि “महाराज, कृपा करके इस टोकरी को जरा हाथ लगाइए जिससे कि मैं उसे अपने सिर पर रख लूँ”
(ड) स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

- (ख) 2. (ग) 3. (ख) 4. (क)

शब्दों का खेल

- (क) चकले (ख) नौकरी (ग) शैली (घ) कूल्हा (ड) खोपड़ी (च) खट्टी
(छ) गया (ज) नीची

कुमुदिनी हिन्दी-1 से 5

2. (क) अनाथ- बेसहारा, यतीम
 (ख) जीमदार- जमीनदार, नंबरदार
 (ग) निष्फल- व्यर्थ, पुलरहित
 (घ) कर्तव्य- कार्यकाल, कार्य
 (ङ) प्रार्थना- विनती, अनुरोध
3. (क) पुलिंग- जमीदार, वकील, महाराज, थैला, पोता
 (ख) स्त्रीलिंग- श्रीमति, विधवा, झोपड़ी, पड़ोसी

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-15 : दोहे

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. सुना है अपने गाँव में, रहा न अब वो नीम; जिसके आगे गाद थे, सारे बैद-हकीम। बूढ़ा पीपल घाट का बतियाय दिन रात; जो भी गुजरे पास से, सर पे रख दे हाथ।
2. स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (ग) 3. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) शहर (ख) प्रतिवात (ग) लोहा (घ) पैर
2. (क) वैद (ख) खुशी (ग) बच्चा (घ) तीत्र ध्वनि
3. (क) ने, से (ख) से (ग) उसके (घ) में

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करे।

पाठ-16 : खिड़की

अभ्यास कार्य

बातचीत के लिए

1. स्वयं करें।

लिखने के लिए

1. (क) तेरह (ख) बच्चे (ग) दर्जा (घ) सपाट

2. (क) सत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) सत्य
3. (क) आमिर के पिता जी की दर्जी की दुकान थीं।
- (ख) गर्मियों के दिन, एक ताँगा घर के सामने आकर रुका। ताँगे से एक लड़की और एक बूढ़ी औरत उतरे। और उसकी दोस्त छम्मों बनी।
- (ग) आमिर और छम्मों ने छत पर कदू की बेल उगाई।
- (घ) जब भी बारिश होती थी तो वे देखते कि औरतें भागकर अपने धुले हुए कपड़े बाहर से उठा लेती थीं और पूरा रास्ता पानी से भर जाता था। बारिश आने पर साइकिल वाले तेजी से साइकिल चलाते थे, या फिर किसी आदमी की छतरी नहीं खुल पाती थी। छोटे बच्चे नगे धूमते थे। कभी-कभी आमिर छत पर जाकर नाचता और गाता था। जब खिड़की खुली होती थी तब बारिश अंदर आ जाती थी। “यह फिल्म जैसा है”, छम्मो कहती।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) 2. (ग) 3. (क) 4. (क)

शब्दों का खेल

1. (क) जोड़ना, तोड़ना (ख) चढ़ना, लड़ना (ग) खाड़ी, नाड़ी (घ) दाढ़ी, साढ़ी
2. स्वयं करें।
3. (क) अब (ख) तेज (ग) जल्दी (घ) कहाँ

आइए कुछ बनाएँ

- स्वयं करें।